दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 111
कोटद्वार गुरूवार
17 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित 'सदैव अटैल' जाकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पांचवीं पुण्यतिथि पर उन्हें बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। इनके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी 'भारत रत्न' वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की। कई केंद्रीय मंत्रियों और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल घटक दल के नेताओं ने भी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।

'सदैव अटल' वाजपेयी का स्मारक है। वर्ष 2018 में आज ही के दिन दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, 'अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ मैं भी शामिल हूं। उनके नेतृत्व से भारत को बहुत लाभ हुआ। उन्होंने हमारे देश की प्रगति को बढ़ावा देने और इसे विभिन्न क्षेत्रों में 21वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'

वाजपेयी को 2015 में देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया था। वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था। इसके बाद, वह 1998 में फिर प्रधानमंत्री बनें और उन्होंने 13 महीने तक इस पद को संभाला।

भारतीय सेना को जल्द मिलेगा लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे एएच-64ई

बाईंग ने शुरू किया प्रोडक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। विमान बनाने वाली कंपनी बोईंग ने भारतीय सेवा के लिए ई मॉडल अपाचे हेलीकॉप्टर का उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि बोईंग एरिज़ोना के मेसा स्थित संयंत्र में भारतीय सेना के अपाचे का उत्पादन शुरू कर रही है। कंपनी भारतीय सेना की जरूरतों को पूरा करते हुए कुल छह एएच-64ई अपाचे की आपूर्ति करेगी। इस साल इससे पहले, टाटा बोईंग एरोस्पेस लिमिटेड (टीबीएएल) ने हैदराबाद में स्थित अपनी आधुनिक फैक्ट्री से भारतीय सेना के पहले एएच-64 अपाचे ढांचे की आपूर्ति की थी।

बोईंग इंडिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने कहा, "हमें एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचने की खुशी है, जिससे भारत की रक्षा क्षमताओं में सहयोग देने के लिये बोईंग की अटूट प्रतिबद्धता का पता चलता है।

एएच-64 की उन्नत टेक्नोलॉजी और साबित प्रदर्शन भारतीय सेना की परिचालन तैयारी को समृद्ध बनाएगा और उसकी रक्षा क्षमताओं को मजबूती देगा।"

बोईंग ने वर्ष 2020 में 22 भारतीय वायु सेवा ई-मॉडल अपाचे की आपूर्ति पूरी की थी और भारतीय सेना के लिये छह एएच-64ई बनाने के लिये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये थे। भारतीय सेना के अपाचे की आपूर्ति 2024 के लिए निर्धारित है।

अटैक हेलिकॉप्टर प्रोग्राम्स की उपाध्यक्ष और बोईंग मेसा साइट की वरिष्ठ कार्यकारी क्रिस्टिना उपाह ने कहा, "एएच'-64ई दुनिया का प्रमुख अटैक हेलिकॉप्टर बना हुआ है। एएच-64 ग्राहकों को बेजोड़ घातकता और बेहतर क्षमता देता है और हम यह क्षमताएं भारतीय सेना को प्रदान करते हुए रोमांचित हैं।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में विश्वकर्मा योजना को कैबिनेट ने अपनी मंजरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएम ई-बस सेवा को मंजूरी दे दी गई है।

इस पर 57613 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। देशभर में लगभग 10000 नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास तोडफ़ोड़ पर लगी रोक, यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने आज मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण करने वालों को फौरी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण हटाने के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे विध्वंस अभियान पर 10 दिनों के लिए रोक लगा दी है। रेलवे को नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई अब एक हफ्ते बाद होगी। जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस संजय कुमार और एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले में केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता याकूब शाह की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया,100 घरों पर बुलडोजर चलाया गया है।

सरकारी अधिकारियों को सिर्फ असाधारण मामलों में ही अदालतों में बुलाया जाए

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में विचार के लिए पेश एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के मसौदे में केंद्र सरकार ने कहा है कि अदालतों में सरकारी अधिकारियों की व्यक्तिगत हाजिरी केवल असाधारण मामलों में ही मांगी जानी चाहिए।

एसओपी में कहा गया है, हालांकि, असाधारण मामलों में भी जहां सरकारी अधिकारी की व्यक्तिगत उपस्थिति अभी भी अदालत द्वारा मांगी जाती है, अदालत को पहले विकल्प के रूप में वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) के माध्यम से पेश होने की अनुमति देनी चाहिए।

एसओपी ने सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसलों पर भरोसा जताया, जिसमें कहा गया था कि अदालतों को रिट, जनहित याचिका और अवमानना मामलों जैसे मामलों की सुनवाई के दौरान सरकारी अधिकारियों को तलब करते समय आवश्यक संयम बरतना चाहिए।

एक उदाहरण का हवाला देते हुए, जिसमें पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार के आवास और शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव को अनुचित पोशाक के लिए फटकार लगाई थी, हालांकि वह सफेद कमीज और पतलून पहने हुए थे, केंद्र ने कहा कि अदालतों को पोशाक पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

इसके अलावा, पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने पूछा था कि क्या अधिकारी ने मसूरी स्थित सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण लिया था और क्या वहां उन्हें यह नहीं बताया गया था कि अदालत में कैसे पेश होना है।

आशियानों के साथ भविष्य के सपने भी ले गई खोह नदी, सैकड़ों परिवार हुए बेघर

13 अगस्त की रात खोह नदी ने आबादी क्षेत्र में मचाई थी तबाही , राहत शिविर में शरण लेने को मजबूर हो गए सैकड़ों परिवार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 13 अगस्त की रात विकराल रूप धारण कर आबादी में पहुंची खोह नदी ने खूब तबाही मचाई। आशियाने तबाह होने से 33 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं। खोह नदी पीड़ितों के घर ही नहीं बल्कि उनके भविष्य के सपनों को भी अपने साथ बहाकर ले गई।

कोटद्वार और उसके आसपास के क्षेत्रों में आठ अगस्त व 13 अगस्त की रात मूसलाधार बारिश हुई। इस बारिश से प्रभावित परिवार राहत शिविरों में रहकर उस घड़ी को कोस रहे हैं, जब खोह नदी व बहेड़ा स्रोत गदेरा उफान पर आए। दरअसल, खोह नदील व बहेड़ा स्रोत के उफान पर आने से क्षेत्र में करीब चालीस परिवार बेघर हो गए। प्रशासन ने इन परिवारों को विभिन्न स्थानों पर बनाए राहत शिविरों में ठहराया हुआ है। राहत शिविर में रह रहे इन परिवारों के समक्ष कई समस्याएं खड़ी होने लगी है। पीड़ित राजकुमार ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पूर्व ही डेढ़ लाख रुपये की लागत से अपने भवन की मरम्मत करवाई थी। लेकिन, कुदरत उसे अपने साथ बहाकर ले गया।

सरकारी सिस्टम नहीं ले रहा सुध

गाड़ीघाट, झूलापुल बस्ती व काशीरामपुर तल्ला में बाढ़ प्रभावित परिवार पिछले चार दिन से धर्मशाला, मंदिर व स्कूलों में रात काट रहे हैं। बेघर हुए इन परिवारों के समक्ष कई संकट खड़े होने लगे हैं। मकान बहने के बाद केवल तन पर पहने कपड़े ही बचे हुए हैं। पीड़ितों का आरोप है कि उनके पास छोटे बच्चे को दूध पिलाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। लेकिन, सरकारी तंत्र ने राहत के नाम पर फूटी कौड़ी तक नहीं दी। ऐसे में उन्हें अपने व अपने बच्चे के भविष्य को लेकर चिंता सताने लगी है।

कोटद्वार में भवन धराशायी होने के बाद सामान खोजते पीड़ित परिवार

बहन की शादी की चिंता घर भी गया

पिता की मौत के बाद मेहनत-मजदूरी कर अपना परिवार चला रहे नितिन के समक्ष कई चुनौतियां खड़ी हो गई है। नितिन अपनी बहन की शादी के लिए पैसा जोड़ रहे थे। लेकिन, खोह नदी उनके आशियाने को ही लेकर चली गई। अब नितिन व उनका पूरा परिवार राहत शिविर में ही दिन काट रहे हैं।

कुदरत ने छीन लिया आशियाना

कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में आठ अगस्त व 13 अगस्त की रात खोह नदी व बहेड़ा स्रोत गदेरा ने जमकर तबाही मचाई। आठ अगस्त की रात हुई बारिश से जहां काशीरामपुर तल्ला में दस भवन जमींदोज हो गए, वहीं बहेड़ा स्रोत में नौ भवन समा गए। आमजन इस हादसे से उबरा भी न था कि 13 अगस्त की रात पुनः दोनों नदियां उफान पर आई और 33 भवन नदी की भेंट चढ़ गए।

पाई-पाई जोड़कर बनाए थे भवन

प्रशासन की ओर से आपदा प्रभावित को विभिन्न स्थानों पर रखा गया है। लेकिन, इन राहत शिविरों में आपदा प्रभावितों की आंखों में नमी आसानी से देखी जा सकती है। इनमें कई ऐसे हैं, जिन्होंने नदी किनारे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर अपने भवन बनाए थे। सरकारी तंत्र ने ऐसे भवन स्वामियों के भवनों को अवैध घोषित कर मुआवजा देने से इंकार कर दिया है। पाई-पाई जोड़ जिस भवन को खड़ा किया, उसके जमींदोज होने के बाद अब प्रभावितों को भविष्य की चिंता सताने लगी है।

विश्वकर्मा योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

अधिकतम 5 फीसद ब्याज पर एक लाख का मिल सकेगा लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में विश्वकर्मा योजना को कैबिनेट ने अपनी मंजरी दे दी है। मोदी कैबिनेट की बैठक के दौरान लिए गए फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के समक्ष रखी।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएम ई-बस सेवा को मंजूरी दे दी गई है। इस पर 57,613 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। देशभर में लगभग 10,000 नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। अनुराग ठाकुर ने कहा, 57,613 करोड़ रुपए में से 20,000 करोड़ रुपए केंद्र सरकार देगी। यह योजना 3 लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों को कवर करेगी।

इस योजना के तहत पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर 10,000 ई-बसों के साथ सिटी बस संचालन किया जाएगा। यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी

इसी बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी कैबिनेट ने विश्वकर्मा योजना को अपनी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, विश्वकर्मा का मतलब है कि हमारे कस्बों, ग्रामीण, छोटे शहरों में बहुत सारे ऐसे वर्ग हैं, जो गुरु-शिष्य परंपरा के तहत पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी महत्वपूर्ण स्किल पर काम करते हैं। इसमें सोनार सोने का काम, लोहार लोहे का काम, चर्मचार चमड़े का काम इत्यादि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह तमाम चीजों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है।

उस बड़े वर्ग को एक नया आयाम देने के लिए विश्वकर्मा योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। बता दें कि पिछले साल के बजट में इस योजना की घोषणा की गई थी और इसे आज कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना के तहत उदार शर्तों पर एक लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन को बड़ी राहत

मुंबई ,(एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बालीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को बड़ी राहत मिली है। जैकलीन फर्नांडिस अब बिना कोर्ट की अनुमति के भी विदेश जा सकेंगी। दरअसल, बीते दिनों जैकलीन फर्नांडिस ने कोर्ट से दुबई जाने के लिए परमिशन मांगी थी, जिस पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए अनुमति दे दी है। अब जैकलीन 25 से 27 मई अबूधाबी और 28 मई से 12 जून तक इटली की यात्रा कर सकती हैं।बता दें कि महाठग सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ की ठगी के मामले में जैकलीन फर्नांडीज भी आरोपी पाई गई हैं, जिस कारण उन्हें काफी समय से इस केस में ट्रायल का सामना करना पड़ रहा है।बता दें कि जैकलीन इससे पहले भी अपने प्रोफेशनल काम के लिए कोर्ट से दुबई जाने की अनुमति मांग चुकी हैं।

चन्द्रयान-3 ने चौथा चरण किया पार, चांद की सतह से अब सिर्फ 163 किमी दूर

चेन्नई, एजेंसी। भारत का तीसरे चंद्रमा मिशन चंद्रयान-3 बुधवार सुबह चौथा चरण पार कर अपनी मंजिल के और करीब पहुंच गया। चंद्रयान के लिए यह प्रक्रिया काफी अहम थी और कल (17 अगस्त को) चन्द्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल (एलएम) को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से अलग होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जानकारी दी कि चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक चांद की कक्षा के एक और गोलाकार चरण को पूरा कर लिया है और अब वह चांद के और करीब वाली कक्षा में पहुंच गया है। चंद्रयान-3 अब चांद के चौथे ऑर्बिट में प्रवेश कर गया है। चंद्रयान अंतरिक्ष यान अब चंद्रमा की सतह से सिर्फ 163 किमी दूर है।

इसरो ने कहा कि अब तैयारियों का समय आ गया है क्योंकि प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अपनी अलग-अलग यात्राओं के लिए तैयार हैं।

आज चंद्रयान-3 एक और कक्षा लांघ कर चांद के और करीब पहुंच गया। वहीं 17 अगस्त का दिन मिशन के लिए अहम होगा क्योंकि इस दिन चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग किया जाएगा। इसरो ने ट्वीट किया, "आज की सफल फायरिंग के बाद चंद्रयान-3 को 153 किमी गुणा 163 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया है।" इसके साथ ही चन्द्रयान-3 चंद्रमा से जुड़ी एक और प्रक्रिया को पूरा कर आगे बढ़ गया है।

इसरो ने कहा, "यह तैयारियों का समय है क्योंकि प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अपनी अलग-अलग यात्रा के लिए तैयार हैं।" पांच अगस्त को चन्द्रयान-3 के चंद्र कक्षा में प्रवेश करने के बाद इस अंतरिक्ष यान ने अब तक के चार चरणों को पार कर लिया है और चन्द्रमा के बेहद करीब पहुंच गया है। इसके बाद 23 अगस्त को चंद्रयान-3 को चांद की सतह पर उतरना है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह होगी।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि चंद्रयान-3 आशा के अनुरूप सामान्य तरह से काम रहा है। इस पूरे मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान की यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और जेपीएल डीप स्पेस एंटीना के सहयोग से लगातार इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) में मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), बेंगलुरु के पास बयालू में इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क (आईडीएसएन) एंटीना से निगरानी की जा रही है।

प्रधानमंत्री ई बस सेवा को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी, खर्च होंगे 57 हजार 613 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रदूषण रहित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए 57 हजार 613 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री ई बस सेवा को मंजूरी दे दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

उन्होंने कहा कि इस हरित परिवहन सेवा के लिए मंजूर 57 हजार 613 करोड़ रुपए की कुल राशि में से 20 हजार करोड़ रुपए की राशि केन्द्र सरकार तथा शेष राशि राज्य सरकार वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा के लिए 169 शहरों में से पहले 100 शहरों को चुना जायेगा और इनमें इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि निजी-सार्वजनिक भागीदारी पर आधारित इस योजना के तहत बसों के संचालन के लिए प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जाएगा। यह राशि प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली प्रदूषण रहित बनेगी।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि यह योजना तीन लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों में लागू की जायेगी। इसमें केन्द्र शासित प्रदेशों की राजधानी, पूर्वोत्तर क्षेत्र और पर्वतीय राज्यों के शहरों को शामिल किया जायेगा। ऐसे शहरों को वरीयता दी जायेगी जहां अभी संगठित बस सेवा नहीं है। इस योजना से रोजगार के 45 हजार से 55 हजार प्रत्यक्ष अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि योजना में दस हजार ई बसें चलायी जायेंगी जिससे राज्यों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मजबूत होगी और प्रदूषण में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि ई बस सेवा के लिए मल्टी मॉडल इंटरचेंज सुविधा , स्वचालित किराया प्रणाली और चार्जिंग ढांचागत सुविधा तैयार की जायेगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि बस ऑपरेटरों को भुगतान राज्य सरकारों द्वारा किया जायेगा जबकि सब्सिडी केन्द्र सरकार देगी।

राष्ट्रपति ने दी असम में परिसीमन की मंजूरी

नईदिल्ली,(एजेंसी)। असम में विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस संबंध में एक अधिसूचना ट्विटर पर शेयर करते हुए बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने असम में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को मंजूरी दे दी है।चुनाव आयोग द्वारा 2001 की जनगणना के आधार पर यह परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राज्य में 1976 के बाद पहली बार निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सरमा ने ट्विटर पर लिखा, आज माननीय राष्ट्रपति ने असम के लिए भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी परिसीमन अधिसूचना को मंजूरी दे दी है। असम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है।

मुख्य सचिव ने की वन एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों संग विभिन्न विषयों पर चर्चा

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में वन एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि बन्दरों और जंगली सुअरों के द्वारा प्रदेश में खेती को अत्यधिक नुकसान हो रहा है। इसके लिए बन्दरों की संख्या को सीमित करने हेतु बन्दरों का बन्ध्याकरण किया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बन्दरों के बन्ध्याकरण के लिए बन्दर बन्ध्याकरण केंद्रों की संख्या बढ़ायी जाए। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पशुचिकित्सकों एवं अन्य सहायक स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने फसलों को जंगली सुअरों से होने वाले नुकसान की रोकथाम के लिए भी योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों को खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बंदरों और जंगली सुअरों से होने वाले नुकसान को कम करना होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने पिरूल से ईंधन के रूप में प्रयोग होने वाले पैलेट्स तैयार करने और ईको पार्क योजना की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की निरन्तर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, वन विभाग प्रमुख (हॉफ) श्री अनूप मलिक एवं सचिव पशुपालन डॉ.बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यूपीसीएल ने शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

देहरादून। यूपीसीएल ने वर्ष 1962 युद्ध के शहीदों के परिजनों का सम्मान किया। इसके साथ ही यूपीसीएल के 91 कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यूपीसीएल मुख्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

मेरी माटी मेरा देश के तहत विशेष अतिथि के रूप में 1962 के चीन युद्ध के नायक स्वर्गीय श्याम लाल की पत्नी लक्ष्मी देवी और पुत्र सुबेदार जगमोहन को आमंत्रित किया। उनके साथ ही 2003 में कश्मीर में देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुबेदार प्रदीप थापा की पत्नी सीमा थापा का भी सम्मान किया गया। एमडी अनिल कुमार ने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले इन वीर सपूतों के कारण ही आज हम सुरक्षित हैं। इन शहीदों की शहादत को याद रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कहा कि यूपीसीएल के कर्मचारी, इंजीनियर भी लगातार हर विषम परिस्थिति में अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। किसी भी आपदा की परिस्थिति में समय पर बिजली सप्लाई को सुचारु बना कर रखा जाता है। इन्हीं की बदौलत आज देश भर के ऊर्जा निगमों में यूपीसीएल को ए श्रेणी का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में स्वल्पाहार कार्यक्रम आयोजित

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में स्वल्पाहार कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस स्वल्पाहार कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित मंत्रीगणों, सांसदगणों, विधायकगणों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

जर्मनी उत्तराखंड में आर्गेनिक खेती समेत कई क्षेत्रों में बढ़ाएगा निवेश

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी के साथ मुलाकात में जर्मन सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड में निवेश को लेकर दिलचस्पी दिखाई। कैंट रोड स्थित सरकारी आवास में जर्मन प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में जर्मनी के सांसद जुगन हाइट, स्पीकर फ्रेंज ऐवर मेऊर, डायरेक्टर डॉ. ऐड्रिन हैक, कोर्नड ऐड्यूनर को कृषि मंत्री ने पहाड़ी टोपी पहनाई।

जैविक उत्पाद भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात में भारत जर्मनी के औद्योगिक संबंध को बढ़ाने पर चर्चा हुई। उत्तराखंड में निवेश लाने को कैसे साथ साथ काम किया जाए, इस पर फोकस किया गया। इसके अलावा ऑर्गेनिक फार्मिंग, फूड प्रोसेसिंग समेत अन्य उद्योगों में सहयोग तथा उत्तराखंड को कृषि के क्षेत्र में कैसे विश्वास स्तरीय पहचान दिलाई जाए, इस पर भी जोर दिया गया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा जर्मनी उत्तराखंड में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स समिट में भी बढ़ चढ़ कर भाग लेगा।

श्री अन्न मिलेट्स और मोटे अनाज को विश्व स्तरीय पहचान दिलाने की दिशा में भी काम करेगा। कहा कि उत्तराखंड के जैविक उत्पादों को विश्व स्तर तक ले जाने के लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

वैचारिक नेतृत्व के लिए हमेशा याद रहेंगे अटलः राज्यलक्ष्मी शाह

देहरादून। भाजपा नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पांचवी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर टिहरी सांसद राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी वैचारिक नेतृत्व के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री का भावपूर्ण स्मरण किया गया। वक्ताओं ने इस दौरान पार्टी की नींव रखने से लेकर विचारधारा आधारित संगठन की बुलंद इमारत खड़ा करने के लिए उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि तीन बार पीएम और 12 बार सांसद बने वाजपेयी राजनैतिक सफलता के साथ वैचारिक नेतृत्व के लिए देश में सदैव अटल रहेंगे। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, देवेंद्र भसीन, मानिक निधि शर्मा, सुभाष बड़थ्वाल, अनूप रावत आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में किया ध्वजारोहण

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके त्याग, बलिदान, शौर्य और संघर्ष के बल पर हमें आजादी प्राप्त हुई है। उन्होंने सीमा पर तैनात वीर जवानों को नमन करते हुए कहा कि उनके कारण ही हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारत ने इन 76 वर्षों में सभी चुनौतियों का सामना मजबूती से किया है। भारत विश्व में पाचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही तीसरे पायदान में पहुंच जायेगा। भारत ने इंफास्ट्रक्चर, मैन्यूफेक्चरिंग और सप्लाई चेन, सैन्य तथा रक्षा विर्निर्माण के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारत ने मिशन चंद्रयान 3 को सफलतापूर्वक लांच किया जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अमृतकाल में हमें अपने लक्ष्य निर्धारित कर उस ओर अपनी पूर्ण क्षमता के साथ आगे बढ़ना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर है। उत्तराखण्ड सुगम रोड़ कनेक्टिविटि, विशाल रेल परियोजनाओं, हवाई कनेक्टिविटि और रोपवे कनेक्टिविटि के क्षेत्र में प्रगति कर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यहां चारधाम और कांवड़ यात्रा के सफल संचालन होने के साथ-साथ भविष्य में यात्रा को और सुगम और सुविधाजनक बनाने हेतु निरंतर कार्य गतिमान है। हमारे वीर जवानों की स्मृतियों को हमेशा जीवित रखने हेतु भव्य सैन्य धाम का निर्माण हो रहा है। विभिन्न रोजगार योजनाओं के जरिये उत्तराखण्ड में युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने का भी कार्य जारी है।

राज्यपाल ने कहा कि आज प्रत्येक भारतीय को संकल्प लेना चाहिए कि हमें गुलामी की मानसिकता का त्याग करते हुए अपने आत्म मूल्य (सेल्फ वर्थ) को अवश्य पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हमें भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने का संकल्प लेना होगा जिसमें प्रत्येक भारतीय का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। वर्ष 2047 के विकसित राष्ट्र और विश्वगुरू भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हर एक नागरिक को अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को समझना होगा। राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने भी 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है, इसमें प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों, एआई, स्पेस, साइबर, क्वांटम आदि के क्षेत्र में आने वाले समय में बहुत अधिक संभावनाएं हैं इस दिशा में हमें अपनी पहुंच को और मजबूत करने की जरूरत है। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन से प्रकाशित होने वाले त्रैमासिक पत्रिका ह्यनंदाह्न का विमोचन किया। राज्यपाल की प्रेरणा एवं उनके संरक्षण में राजभवन से प्रकाशित होने वाली नंदा पत्रिका के संयुक्तांक (माह जनवरी से जून, 2023) मानसखण्ड मंदिर माला पर केन्द्रित है। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, विधि परामर्शी श्री अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव श्रीमती स्वाति एस भदौरिया, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, एडीसी अमित श्रीवास्तव, मेजर तरुण कुमार, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महावीर सिंह एवं डॉ. ए.के.सिंह सहित राजभवन में तैनात अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम अध्यक्षता में हुई चिकित्सा प्रबन्धन समिति, राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी की बैठक आयोजित

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में चिकित्सा प्रबन्धन समिति, राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी की बैठक जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में मरीजों एवं उनके तिमारदारों के लिए उचित व्यवस्थाएं के साथ ही चिकित्सालय में पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं/व्यवस्थाएं बनाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में समिति द्वारा चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था हेतु दैनिक वेतन भोगी सफाई कर्मचारी रखने तथा चिकित्सालय में धुलाई व्यवस्था हेतु रखे गए कार्मिक/धोबी के पारिश्रमिक में धनराशि बढ़ाने तथा चिकित्सालय में शल्य कक्ष, लेबर रूम एवं आईसीयू में 3 एयर काटेन तथा 3 एयर प्यूरी फायर लगाने की अनुमति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में बढ़ाई जा रही व्यवस्था एवं उपकरण आदि के संबंध में विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजय जैन, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी डॉ0 यतिन्द्र सिंह, उपकोषाधिकारी सुरेन्द्र दत्त थपलियाल, सामाजिक कार्यकर्ता सुदीप ढौड़ियाल सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया विद्यालयी शिक्षा विभाग के कंटिन्युड लर्निंग एक्सेस प्रोजेक्ट का शुभारंभ

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को राजभवन में विद्यालयी शिक्षा विभाग के कंटिन्युड लर्निंग एक्सेस प्रोजेक्ट(उछअढ) का शुभारंभ किया और इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत सचल ई-लर्निंग वाहन का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, निदेशक एनसीईआरटी प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी भी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड शिक्षा विभाग द्वारा एनसीईआरटी के मार्गदर्शन और कम्प्यूटर निर्माता कम्पनी एचपी के सहयोग से कंटिन्युड लर्निंग एक्सेस प्रोजेक्ट(उछअढ) तैयार किया गया है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत तैयार किए गए इस सचल ई-लर्निंग वाहन में इंटरनेट युक्त 120 लैपटॉप हैं, जिसमें शिक्षण अधिगम सामग्री संरक्षित है। यह वाहन सुदुरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक से कक्षा-12 तक के विद्यार्थियों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन, मोड़ में ह्यह्यडिजिटल अधिगमह्नह्न उपलब्ध कराएगा। वाहन में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित लर्निंग चैनल, दिशा और ई-पाठशाला उपलब्ध है। छात्र इसमें अधिगम के साथ-साथ स्वमूल्यांकन भी कर सकेंगे। यह वाहन वर्तमान में जनपद टिहरी के विद्यालयों में रूट चार्ट के आधार पर संचालित किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के शुभारंभ के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि एनसीईआरटी के विशेष प्रयासों से ई-कंटेट युक्त डिजिटल वाहन बच्चों को नवीन शिक्षण विधाओं तथा पाठ्यचर्चा से परिचित कराने में उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह वाहन तकनीकी के माध्यम से ज्ञान की ज्योति दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों तक पहुंचाएगा। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा को टेक्नोलॉजी के साथ मिलाया जाना अत्यन्त सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हमारे प्रत्येक छात्र नई तकनीकों को सीखें।

राज्यपाल ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ कम्प्यूटर दक्षता और ई-लर्निंग के माध्यम से बच्चे नवीन ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह ई-एजुकेशन वाहन हमारे प्रदेश के दूरस्थ विद्यालयों में भ्रमण कर अपने शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त कराने में सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाय कि इस तरह के ई-लर्निंग वाहन हमारे प्रत्येक ब्लॉक में हों। राज्यपाल ने कहा कि हमें टेक्नोलॉजी स्किल और डिजिटल टेक्नोलॉजी पर विशेष जोर देकर कौशलों को प्राप्त करने की जरूरत है, जो हमें विकसित राष्ट्र के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग करेगा।

राज्यपाल ने इन प्रयासों के लिए निदेशक एनसीईआरटी तथा उनकी पूरी टीम का धन्यवाद किया, कि उन्होंने शिक्षण सामग्रीयुक्त डिजिटल वाहन के लिए उत्तराखण्ड राज्य को चुना है। उन्होंने एचपी तथा सोसायटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट संस्था को भी धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने इस डिजिटल ई-वाहन के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के लिए शैक्षिक अधिगम सामग्री उपलब्ध कराई है, वह निश्चित रूप से प्रदेश के बच्चों के लिए लाभकारी होगी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गत वर्ष प्रदेश की रैंकिंग 35वें पायदान पर थी, जो इस वर्ष 17वें पायदान पर पंहुच गई है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास प्रदेश को टॉप 10 रैंकिंग में लाने का है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट में सहयोग करने वाले सभी स्टेकहोल्डर का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी, एचपी के जोनल मेनेजर दीपक बजाज, निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीमा जौनसारी, निदेशक प्राथमिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

थलीसैंण : ब्लॉक मुख्यालय थलीसैंण में 77वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर नगर पंचायत थलीसैंण की ओर से पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत थलीसैण के कार्यालय में झण्डा रोहण किया गया। इस मौके पर स्थानीय शहीद वीरों की स्मृति में शिला फट की स्थापना, अमृत वाटिका का निर्माण, भूतपूर्व सैनिकों का वन्दन व सम्मान, हाथ में मिट्टी लेकर पंच प्राण की प्रतिज्ञा एवं पौधा रोपण कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम में मैनेजर सीएसडी कैंटीन सूबेदार कुलवन्त सिंह, भूतपूर्व सैनिक श्याम सिंह नेगी, फतेह सिंह, रिटायर सूबेदार आशाराम पोखरियाल, गब्बर सिंह, श्री भट्ट को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार आनंद पाल, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थलीसैंण शैलेन्द्र सिंह, वन क्षेत्राधिकारी पूर्वी अमेली रेंज सुची चौहान, ब्राण्ड अम्बेस्डर स्वच्छ सेवा मिशन नगर पंचायत थलीसैण सत्येंद्र सेमवाल, पूर्व प्रधान आनंद सिंह नेगी ग्राम पंचायत कैन्यूर, कानूनगो भीम सिंह असवाल, राकेश मंमगाई आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस, देश हित में कार्य करने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में आजादी का महापर्व स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी विद्यालयों व संस्थानों में तिरंगा फहराया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों व लोगों ने सदैव देश हित में कार्य करने का भी संकल्प लिया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महापौर हेमलता नेगी ने नगर निगम कार्यालय में तिरंगा फहराया। तत्पश्चात मालवीय उद्यान में अपने संबोधन में सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही कोटद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा से हुए नुकसान के लिए अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त की। झंडाचौक में कांग्रेस जन और जनता के साथ मिलकर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा जीएमओयू लि, राइंका सुखरौ, रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, आईटीडीए कैल्क, संदेश कला व सामाजिक संस्था, रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब, ग्राम पंचायत सरड़ा, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज जानकी नगर, रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज उमरावनगर, हेमनदास सरस्वती विद्या मंदिर, नवयुग पब्लिक स्कूल, राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार व भाबर, एमकेवीएन, अमर शहीद स्मृति विकलांग एवं नेत्रहीन संस्थान, गढ़वाल पूर्व सैनिक लीग सहित अन्य सभी स्कूलों और संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सक्षम संस्था ने आदि शंकर विद्यालय पूर्वी झंडीचौड़ में दिव्यांग बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। शिक्षक सौरभ मिश्रा ने स्वतंत्रता दिवस पर रक्तदान कर आमजन को रक्तदान का संदेश दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

ग्राम पंचायत सरूड़ा हनुमंती में पंचायत घर में 77वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। सरकार के आदेशानुसार शहीद स्मारक बनाया गया तथा वीर शहीद दाताराम ध्यानी, गोविंद राम काला और स्वतंत्रता सेनानी लूंगी राम को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस मौके पर ग्राम प्रधान रजनी देवी, कमला देवी, लक्ष्मी देवी, प्रमोद कुमार, मुकेश बड़थ्वाल, रणजीत नेगी, प्रेम सिंह नेगी, कृपाल नेगी, प्रमोद नेगी, किशोर भट्ट, मदन सिंह नेगी, आंनद ध्यानी, सतीश काला, आयुष बुडाकोटी, प्रमोद काला, प्रमोद बुडाकोटी, गंगोत्री देवी, रोशनी ध्यानी, जयश्वरी देवी, संगीता देवी, सुलोचना देवी, भूमा देवी आदि मौजूद रहे। डीएवी पब्लिक स्कूल कोटद्वार में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य नितिन भाटिया, सिद्धार्थ नैथानी आदि मौजूद रहे।

बांके बिहारी की महिमा का किया वर्णन

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री श्याम मित्र मंडल समिति की ओर से नजीबाबाद रोड स्थित एक बारातघर में आयोजित तीन दिवसीय श्री वृंदावन रस महिमामृत कार्यक्रम का समापन हो गया है। कार्यक्रम में वृंदावन से पधारे अक्षित गोस्वामी महाराज ने बांके बिहारी की महिमा का वर्णन किया।

कार्यक्रम में अक्षित महाराज ने भगवान शिव की रसिक भक्ति की विवेचना, श्री बांके बिहारी लाल की नाम-रूप, लीला व गुण पर आध्यात्मिक चर्चा की। जिसको सुनने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने वृंदावन के संतों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रेममार्ग पर चलने वाले साधकों को वृंदावन धाम का अनुसरण करना चाहिए। इस दौरान शिव व कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजन भी प्रस्तुत किए। जिस पर पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में शुभम गुप्ता, संजय मित्तल, सुबोध गर्ग, अंजलि अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, रतन अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, पं. रामप्रकाश, अनीत चावला, नरेंद्र मित्तल और नीरज गुप्ता आदि थे।

धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

पौड़ी : विकासखंड बीरोंखाल में 77वां स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली छात्रों द्वारा विद्यालयों में प्रभात फेरी निकाल कर बड़े धूमधाम से मनाया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी ने राजकीय इंटर कॉलेज बैजरों में ध्वजा रोहण किया। स्वतंत्रता दिवस पर राइंका बीरोंखाल, जीजीआईसी बीरोंखाल, घोडियानाखाल, ग्वीनखाल, सिसई, स्यूंसी, बैजरों, वेदीखाल, सरस्वती शिशु निकेतन बैजरों, आर्दश प्राथमिक विद्यालय बीरोंखाल आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा सुबह प्रभात फेरी निकाल कर संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

पीड़ित परिवारों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ किया प्रदर्शन, अनदेखी का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : खोह नदी की चपेट में आने से धराशायी हुए भवनों में रहने वाले परिवारों ने तहसील में पहुंचकर शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि आपदा के कारण सैकड़ों परिवार बेघर हो चुके हैं। लेकिन, सरकारी सिस्टम उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है। यदि समय रहते नदी का चैनेलाइजेशन किया जाता तो आज इतनी बड़ी तबाही न होती।

बुधवार को गाड़ीघाट, काशीरामपुर तल्ला व झूलाबस्ती के पीड़ित परिवार तहसील परिसर में पहुंचे। उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को दिए ज्ञापन में परिवारों ने बताया कि खोह नदी की चपेट में आने से उनके भवन धराशायी हो गए हैं। पाई-पाई इक्कठा कर जोड़ा गया सामान भी नदी के साथ बह गया। बताया

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते आपदा पीड़ित

कि लगातार आबादी की ओर हो रहे खोह के रूख को बदलने के लिए क्षेत्रवासियों ने स्वयं के पैसों से कर पोकलेंन मशीन मंगवाई थी। लेकिन, प्रशासन ने उक्त पोकलेंन मशीन को चैनेलाइजेशन के लिए नदी में नहीं उतरने दिया।

प्रशासन स्वयं तो परिवारों की सुध नहीं ले रहा और यदि परिवार अपनी सुरक्षा के लिए कुछ करना चाहते हैं तो उन्हें भी रोका जा रहा है। खोह नदी के कारण क्षेत्र की अधिकांश सुरक्षा दीवार भी ढह चुकी है। ऐसे में यदि एक बार फिर नदी उफान पर बनी तो भारी तबाही का मंजर देखने को मिलेगा। पीड़ित परिवारों ने जल्द से जल्द खोह नदी का चैनेलाइजेशन करने व प्रभावितों को सहायता राशि प्रदान करने की मांग उठाई। कहा कि बेघर परिवारों के समक्ष भविष्य को लेकर संकट खड़ा हो गया है। इस मौके पर माया देवी, रामप्यारी, राजकुमारी, कमलेश कुमार, हरीश चंद्र, हरि शंकर, रमेश पाल, दमयंती देवी, शादाब, अंजुमा, अलीशा आदि मौजूद रहे।

मातृशक्ति ने फहराया तिरंगा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास पीवी के आह्वान पर एवं देश भर में बेटियों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से महिला उत्थान समिति व कोटद्वार महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने समिति कार्यालय के निकट राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल ने कहा कि ध्वजारोहण महिला सुरक्षा एवं बेहतरीन सामाजिक परिवेश के निर्माण के लिए भी एक संदेश होगा।

इस अवसर पर समिति पदाधिकारी मनीषा भटनागर, भारती गुप्ता, अनीता पांडेय, महानगर कांग्रेस महिला अध्यक्ष सुधा असवाल, अमित राज सिंह, मंदीप पटवाल और राजा आर्य आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने मनाया अखण्ड भारत दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थानीय शाखा की ओर से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अखंड भारत दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश को फिर से अखंड बनाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मालवीय उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं सेवकों द्वारा भारत का मानचित्र बनाकर दीप प्रज्ज्वलित किये गये। मुख्य वक्ता जिला प्रचारक कमल एवम डा. राकेश द्विवेदी ने कहा कि अखण्ड भारत एक संयुक्त वृहद भारत की संकल्पना है, जिसका अर्थ है भारत का वह स्वरूप जो इसके खण्डित होने से पहले था।

भारत पहले आर्यावर्त कहलाता था। तत्कालीन समय में शक, हूण, तुर्क, कुषाण, डच, यूनानी, मुगल और अंग्रेजों ने भारत पर आक्रमण कर शासन किया। आक्रमण के कारण अखंड भारत खंडित हुआ और तत्कालीन क्रांतिकारियों के योगदान से फिर एक हुआ। कहा कि हमें आज फिर से अखंड भारत के लिए संगठित होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में दिनेश जुयाल, प्रशान्त कुकरेती, सतीश देवरानी, संदीप उनियाल, बिजेन्द्र मैंदोला, मनीराम शर्मा, विपुल उनियाल, रणवीर निर्मोही, राजेश रावत, राजेश जोशी और जितेन्द्र रावत सहित कई स्वयंसेवक मौजूद थे।

पुलिस ने स्कूटी चोरी के मामले में दो को लिया संरक्षण में

पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने स्कूटी चोरी का 24 घंटे में खुलासा किया है। पुलिस ने दो स्कूटी चोरी के मामले में एक युवक और एक विधि विवादित किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया है। कोतवाल ने बताया कि दोनों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

कोतवाल पौड़ी गोविंद सिंह ने बताया कि बीती 15 अगस्त को आंबेडकर छात्रावास कोटद्वार रोड पौड़ी निवासी प्रर्मिला पत्नी आलोक ने तहरीर दी कि आंबेडकर छात्रावास कोटद्वार रोड पर उनकी खड़ी स्कूटी को किसी व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिस पर त्वरित कार्यवाही कर मुकदमा दर्ज करते हुए उनि संध्या नेगी को जांच सौंपी गई। पुलिस टीम ने वाहन चैकिंग के दौरान तिमली रोड पौडी से अभि नकुल नैथानी निवासी यूनियन बैंक न्यू विकास कोलोनी श्रीनगर रोड पौड़ी के कब्जे से स्कूटी बरामद की गई। बताया कि अभियुक्त को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जा रहा है। बताया कि अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। वहीं, दूसरे मामले में थाना मोहल्ला निवासी रघुवीर सिंह चौहान ने तहरीर दी कि उनके घर उनकी स्कूटी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। जिस पर कार्रवाई करते हुए जांच उपनिरीक्षक सिद्धार्थ सिंह को जांच सौंपी गई। बताया कि वाहन चैकिंग के दौरान सत्याखाल रोड से एक विधिविवादित किशोर के कब्जे से उक्त स्कूटी बरामद की गई। बताया कि विधिविवादित किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया गया। दोनों अभियुक्तों को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक संध्या नेगी, उपनिरीक्षक सिद्धार्थ सिंह, मुख्य आरक्षी दलिप सिंह, गोपाल, दिनेश नेगी, कांस्टेबल अनिल बिजल्वाण आदि शामिल रहे।

रेस्क्यू टीम ने मलबे में दबे दो शव बरामद किए

अब मलबे में दबे पांचों शव बरामद किए, एक बालिका को सुरक्षित निकाला

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विगत 14 अगस्त को थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र के अन्तर्गत मोटर चट्टी के पास जोगियाना में भूस्खलन की चपेट में नाईट पेरेडाइज कैम्प भूस्खलन की चपेट में आ गया था।

रेस्क्यू टीम ने लापता चल रहे दो लोगों के शव बुधवार को बरामद किये। भूस्खलन की चपेट में आने से 6 लोग लापता हो गए थे। अब तक रेस्क्यू टीम द्वारा मलबे में दबे सभी 05 शवों को बरामद कर लिया गया है। जबकि एक बालिका को मलबे से निकालकर बचा लिया गया।

गत सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण जनपद के थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्रान्तर्गत मोहन चट्टी के पास जोगियाना में स्थित नाईट पेरेडाइज कैम्प भूस्खलन की

मोटर चट्टी के पास जोगियाना में रेस्क्यू करते हुए टीम।

चपेट में आ गया था, जिसमें 06 व्यक्ति दब गये थे। जिनमें से रेस्क्यू के दौरान एक बालिका (उम्र 10 वर्ष) को मलबे से निकालकर बचा लिया गया था। साथ ही एक व्यक्ति का शव बरामद किया था। गत मंगलवार को रेस्क्यू टीम ने दो व्यक्तियों के शव बरामद किये थे। घटना स्थल पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देशन में रेस्क्यू कार्य के दौरान बुधवार को सुबह से लगातार रेस्क्यू टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मलबे में दबे अन्य 02 शवों को भी बरामद किया गया है। एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे ने बताया कि कृतिका वर्मा (उम्र 10 वर्ष) पुत्री कमल वर्मा निवासी मकान नम्बर 1756, सेक्टर-4 हुडा, थाना थानेश्वर, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा को मलबे से सुरक्षित निकाला गया। जबकि मलबे में दबे विशाल उर्फ मोंटी वर्मा पुत्र शमशेर सिंह उर्फ सुमेर चंद (उम्र 24 वर्ष) निवासी ग्राम व थाना इसराना, जिला पानीपत, हरियाणा, निशा वर्मा (उम्र 37 वर्ष) पत्नी कमल वर्मा निवासी मकान नम्बर 1756, सेक्टर-4 हुडा, थाना थानेश्वर, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा, कमल वर्मा (उम्र 36 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार वर्मा, निशान्त वर्मा (उम्र-18 वर्ष) पुत्र रवि वर्मा, निवासी मकान नम्बर-1756, सेक्टर-4 हुडा, थाना थानेश्वर, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा, निर्मित पुत्र कमल वर्मा (उम्र-10 वर्ष) का शव बरामद कर लिया है।

जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करें

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

पौड़ी : जल जीवन मिशन की बैठक में डीएम ने जल संस्थान व जल निगम के अफसरो को गुणवत्ता के साथ कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि हर महीने दिए गए लक्ष्यों के सापेक्ष कार्यों में तेजी लाई जाए।

बुधवार को एनआईसी कक्ष में बैठक लेते हुए जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने सभी अफसरों को जल जीवन मिशन के तहत पूरे हो चुके कार्यों को पोर्टल पर भी अपलोड करने के निर्देश दिए। कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिस अफसर के स्तर से कार्यों में तेजी नहीं जाएगी उसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। बताया गया कि जल जीवन मिशन के तहत कुल 2764 कार्य होने है जिनमें से 2002 कार्य पूरे हो चुके हैं और 752 कार्य प्रगति पर हैं व 10 कार्यों पर जल्द कार्य शुरू कर जाएगा। बैठक में सीडीओ अपूर्वा पांडेय, अधिशासी अभियंता जल संस्थान एसके रॉय, जल निगम श्रीनगर दीक्षा नौटियाल, पीएम स्वजल दीपक रावत, एसडीओ वन विभाग लक्की शाह आदि शामिल रहे।

पद्म भूषण डा. पाठक को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर गढ़वाल : सुलभ फाउंडेशन के संस्थापक पद्म भूषण डा. विंदेश्वरी पाठक के आकस्मिक निधन पर शिक्षकों व विभिन्न संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया। बुधवार को गढ़वाल केंद्रीय विवि के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. किरण डंगवाल की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें भारत में स्वच्छता के समाज शास्त्र को लेकर डॉ. पाठक के द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्यों को याद किया गया। प्रो. किरन डंगवाल ने कहा कि भारत में सर्वप्रथम स्वच्छता राष्ट्र, स्वस्थ राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने की पहल डॉ. पाठक द्वारा की गई थी। पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डा. अरविंद दरमोडा ने कहा कि 2 माह पूर्व ही दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. पाठक ने उत्तराखंड के समाज शास्त्रियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया था। इस सम्मेलन में प्रो. जेपी पचौरी के नेतृत्व में पूरे उत्तराखंड के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। जिसमें गढ़वाल विवि के समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विभाग से भी प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. जेपी भट्ट, डा. उमा बहुगुणा, प्रो. एआर डंगवाल, भवानी रावत, समीर रतूड़ी, विपिन मैठाणी, गिरीश पैन्यूली, कृष्णानंद मैठाणी, अनिल स्वामी, अंकित उछोली, सतीश गुसांई, राजेंद्र बिष्ट, धारणा शर्मा, वंदना डंगवाल, डा. दिनेश चौधरी, रोबिन असवाल ने भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके कार्यों को आगे ले जाने की बात कही। (एजेंसी)

छोटे वाहनों के लिए खुला कोटद्वार-दुगड्डा नेशनल हाईवे

13 अगस्त को अतिवृष्टि से गायब हो गया था हाईवे का हिस्सा , हाईवे के हिस्से की मरम्मत में लग सकता है करीब एक सप्ताह का समय

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त पड़ा कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग बुधवार से छोटे वाहनों के लिए खुल गया है। लेकिन, सिद्धबली के समीप लोक निर्माण विभाग के गोदाम से करीब पांच सौ मीटर आगे नेशनल हाईवे का हिस्सा ढहने से बाद भारी वाहनों की आवाजाही के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

13 अगस्त की रात हुई अतिवृष्टि के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह क्षतिगस्त स्थिति में पड़ा हुआ है। लोक निर्माण विभाग के गौदाम से करीब पांच सौ मीटर आगे नेशनल हाईवे का एक हिस्सा नदी की भेंट चढ़ गया। अन्य स्थानों पर तो सरकारी सिस्टम ने मलबा हटा दिया है। लेकिन, उक्त क्षतिग्रस्त हिस्से में केवल छोटे वाहनों की आवाजाही का रास्ता बचा हुआ है। सुरक्षा दृष्टि को देखते हुए सरकारी सिस्टम ने मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई हुई है। उक्त स्थान से मैक्स वाहन के गुजरने से पहले एक छोर पर सवारियों को नीचे उतारा जा रहा है। क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के लिए मौके पर पत्थर व लोहे के जार एकत्रित कर लिए गए हैं। ऐसे में अभी भारी वाहनों को पहाड़ चढ़ने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य लोक निर्माण विभाग के गोदाम के समीप गायब हुआ हाईवे का हिस्सा

डीएम ने सुनी आपदा प्रभावितों की समस्याएं, निस्तारण का दिया आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को पीपलकोटी क्षेत्र में आपदा प्रभावित गांव मायापुर, गडोरा, ल्वाह, मेहरगांव, अगथला, वटुला, बंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों का पैदल भ्रमण करते हुए स्थलीय निरीक्षण किया। प्रभावित गांवों में गाढ गदेरों और क्षतिग्रस्त रास्तों से कई किलोमीटर दूरी पैदल तय करते हुए जिलाधिकारी लोगों से मिले और उनकी समस्याएं सुनी।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभावितों को हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों का निर्देशित किया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़क, संपर्क मार्ग, बिजली, पानी की व्यवस्थाओं को शीर्ष प्राथमिकता पर सुचारू किया जाए। पर्याप्त संख्या में मजदूर और मशीनें लगाते हुए संपर्क मार्गों और आवासीय भवनों में घुसे मलवे को साफ कराया जाए। प्रत्येक प्रभावित परिवारों को राशन किट दी जाए। जिन लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है उनके भोजन हेतु कैंटीन शुरू करें। प्रभावित लोगों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचायी जाए। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को मायापुर में आवसीय भवनों में आ रहे पानी का डायर्वजन करने और तहसील प्रशासन को क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का पूरा आंकलन करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने सड़क निर्माणदायी संस्थाओं को पीपलकोटी से गडोरा-किरोली-ल्वाह दिगोल, पीपलकोटी से सल्ला रैतोली, पीपलकोटी से मठ बेमरू मोटर मार्ग पर पर्याप्त संख्या में जेसीबी मशीनें लगाते हुए शीघ्र सुचारू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेसीबी मशीनों की आवश्यकता है तो तत्काल हायर की जाए। जल संस्थान को गांव क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त पेयजल और विद्युत विभाग को क्षतिग्रस्त विद्युत लाईन को तत्काल दुरूस्त करने के निर्देश दिए।

सीएम धामी ने की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

ब्लॉक प्रमुख ने किया अमृत सरोवर का उद्घाटन

टिहरी : मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस पर भिलंगना के ग्राम पंचायत जखन्याली में प्रधानमंत्री अमृत सरोवर का ब्लॉक प्रमुख ने उद्घाटन किया। मौके पर ग्रामीण महिलाओं के बीच रसाकस्सी, कुर्सी दौड़, तैराकी आदि प्रतियोगिता करवाई गई।

ब्लॉक प्रमुख ने कुर्सी प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। स्वतंत्रता दिवस पर मंगलवार को भिलंगना ब्लॉक प्रमुख बसुमती घणाता ने ग्राम पंचायत जखन्याली में प्रधानमंत्री अमृत सरोवर का उद्घाटन करते हुये कहा कि ग्राम पंचायत जखन्याली में अमृत सरोवर बनने से भविष्य में यात्रियों और पर्यटकों को इसका लाभ मिलेगा, इससे ग्राम पंचायत को नई पहचान भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत गांव में शहीद शिलापट्ट और अमृत वाटिका का निर्माण भी शत प्रतिशत पूरा हो चुका है। ग्राम पंचायत की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता ब्लॉक प्रमुख सहित अन्य महिलाओं को ट्राफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कनिष्ठ प्रमुख चंद्रमोहन मोहन नौटियाल, ग्राम प्रधान ऋषिता श्रीयाल, अध्यक्ष दिनेश गुसाईं, अर्जुन रावत, अनुज बहुगुणा, शिव प्रसाद जोशी, शांति प्रसाद गैरोला, मनोज थपलियाल, विजय कुमाई, पूरब सिंह, कमल सिंह, विमला परमार, ममता देवी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

40 युवा ले रहे लाईफ सेविंग टेक्निक प्रशिक्षण

नई टिहरी : टिहरी बांध जलाशय में 13 दिवसीय लाइफ सेविंग टेक्निक वाटर स्पोर्ट्स ऑपरेटर, पावर बोट हेन्डलिंग टिल्लर, पावर बोट हेन्डलिंग रिमोट और जेटस्की ऑपरेटर का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार से शुरू कर दिया गया है। जो आगामी 28 अगस्त तक चलेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भण्डारी ने बताया कि टिहरी विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाडा) द्वारा टिहरी बांध जलाशय में राष्ट्रीय जलक्रीडा संस्थान गोवा के माध्यम से लाइफ सेविंग टेक्निक वाटर स्पोर्ट्स ऑपरेटर, पावर बोट हेन्डलिंग टिल्लर, पावर बोट हेन्डलिंग रिमोट, जेटस्की ऑपरेटर आदि के प्रशिक्षण कार्यक्रम में टिहरी जनपद के साथ ही अन्य जनपदों के कुल 40 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

चमोली : गैरसैंण के राज्य आंदोलनकारियों ने तहसील के माध्यम से मुख्यमंत्री को पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सीएम पुष्कर धामी को ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में राज्य आंदोलनकारी एवं उनके पाल्यों को प्रदेश में हो रही परीक्षाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने, सभी राज्य आंदोलनकारियों को समान पेंशन देने सहित पांच सूत्रीय ज्ञापन दिया है। साथ ऐसा न होने पर राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गयी है। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी हरेन्द्र कंडारी, धूमा देवी, डॉ. जेएन गैड़ी, कुसुमलता, विक्रम सिंह, चंद्र मोहन पंत, दिवाकर गौड़, बलवंत सिंह, जगदीश प्रसाद, पान सिंह नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

लापता लड़की का शव मुनकटिया नदी से बरामद

अब तक 8 शव बरामद, अभी भी 15 लोग लापता

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भू-स्खलन की चपेट में आने से लापता 16 लोगों में से एक लड़की का शव रेस्क्यू टीम ने बुधवार को मुनकटिया के पास नदी किनारे से बरामद किया है। अब तक लापता 23 लोगों में से आठ लोगों के शव बरामद कर लिए गए है, जबकि अभी भी 15 लोग लापता है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि विगत दिनों गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भारी भू-स्खलन के कारण लापता चल रहे 16 लोगों का बुधवार को 12वें दिन भी लगातार घटना स्थल व अन्य स्थानों पर जिलाधिकारी के निर्देशन में सर्च रेस्क्यू एवं खोजबीन का अभियान जारी है। सर्च रेस्क्यू एवं खोजबीन अभियान के दौरान बुधवार को 16 लोगों में से लापता चल रही एक लड़की का शव मुनकटिया के पास नदी के किनारे बरामद किया गया है, जिसकी शिनाख्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि उक्त घटना में लापता हुए 23 व्यक्तियों में से अब तक 08 व्यक्तियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। शेष 15 लापता व्यक्तियों का रेस्क्यू एवं खोजबीन कार्य जारी है। रेस्क्यू एवं खोजबीन अभियान में डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें शामिल रही।

दयारा बुग्याल में आज खेलेगें दूध मक्खन की होली

उत्तरकाशी : समुद्रतल से 11 हजार फीट की ऊंचाई और 28 वर्ग किमी में फैले दयारा बुग्याल में ऐतिहासिक और पारंपरिक रूप से मनाए जाने वाले अढूंड़ी उत्सव (बटर फेस्टिवल) की तैयारी पूरी हो गई है। जिसमें स्थानीय ग्रामीण एवं देश-विदेश से आने वाले पर्यटक मखमली घास में खिले रंग-बिरंगे फूलों की महक के बीच गुरुवार को दूध, मक्खन की होली खेलेंगे। आयोजन से पूर्व बुधवार को गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने समेश्वर देवता, शेषनाग, बासुकी नाग देवता की डोली के साथ ग्रामीणों के एक जत्थे को दयारा बुग्याल के लिए रवाना किया और पारंपरिक अढूंड़ी पर्व की शुभकामना एवं बधाई दी।

बुग्याल को नुकसान न पहुंचे इसके लिए समिति की ओर से इस वर्ष सीमित संख्या में ही उत्सव में शामिल होने की बात कही है। भटवाड़ी ब्लॉक के रैथल गांव से सात किमी. की दूरी पर दयारा बुग्याल में हर वर्ष रैथल के ग्रामीण भाद्रपद महीने की संक्राति को पारंपरिक रूप से अढूंड़ी उत्सव का आयोजन करते हैं। प्रकृति को समर्पित इस पर्व में दूध, मक्खन, मट्ठा की होली खेल कर प्रकृति के प्रति अपना सम्मान दर्शाया जाता है। गुरुवार को आयोजित होने वाले इस दूध, दही मक्खन की होली खेलने के लिए स्थानीय ग्रामीण, दयारा पर्यटन समिति के पदाधिकारी एवं वन, राजस्व व पर्यटन विभाग के अधिकारी बुधवार सांय को दयारा पहुंच गए हैं। वहीं अन्य आसपास क्षेत्रों से आने वाले लोग गुरुवार सुबह कार्यक्रम में शामिल होंगे। दयारा पर्यटन उत्सव समिति रैथल के अध्यक्ष मनोज राणा ने बताया कि रैथल और आसपास स्थित गांवों के लोग गर्मियों की शुरूआत में अपने मवेशियों के साथ दयारा बुग्याल की छानियों में चले जाते हैं। वहां ग्रामीण मवेशियों के साथ पूरी गर्मियां बिताते हैं। मानसून के साथ ही बुग्याल में ठंड बढ़ने लगती है, इसलिए ग्रामीणों के वापस लौटने का सिलसिला भी शुरू हो जाता है। बुग्याल में रहकर मवेशियों के दूध में अप्रत्याशित वृद्धि होती है और ग्रामीणों के घरों में संपन्नता आ जाती है। इसलिए हर वर्ष अगस्त में वे प्रकृति देवता की पूजा कर इस उत्सव को मनाते हैं। कहा कि इस वर्ष हाईकोर्ट की गाइड लाइन का अनुपालन करते हुए बुग्याल से 800 मीटर की दूरी पर चिडापड़ा व गोई में व्यवस्था की गई है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लगाई प्रदर्शनी

देहरादून। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय सैन्य अकादमी और संस्कृति विभाग चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

हिमालय सांस्कृतिक केंद्र नींबूवाला गढ़ीकैंट में यह प्रदर्शनी 20 अगस्त तक चलेगी। प्रदर्शनी का शुभारंभ संस्कृति विभाग के सचिव हरिश्चंद्र सेमवाल ने किया।

इस दौरान संस्कृति विभाग की निदेशक बीना भट्ट, भारतीय सैन्य अकादमी के ग्रुप कैप्टन प्रणव शिदगे समेत आईएमए के जेंटलमैन कैडिट और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक बीना भट्ट ने बताया कि इस चित्रकला प्रदर्शनी में लगाई गई सभी पेंटिंग भारतीय सैन्य अकादमी के जेंटलमैन कैडिट की ओर से तैयार की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर निकाली तिरंगा बाइक रैली

उत्तरकाशी : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंगलवार को केशव गिरी जी महाराज के आह्वान पर बड़कोट नगर क्षेत्र सहित बड़कोट से नौगांव तक तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। तिरंगा बाइक रैली में बड़कोट नगर सहित आसपास गांव के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया तथा तिरंगा बाइक रैली में भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि नारे गूंजते रहे। इस मौके पर केशव गिरी जी महाराज, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सोबन सिंह राणा, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजाराम जगूड़ी, व्यापार मंडल महामंत्री धनवीर रावत, सामाजिक कार्यकर्ता महाबीर पंवार माही, दिनेश बेलवाल, नीरज रावत, प्रताप रावत, वीरपाल नेगी, अजय चौहान, राजेश नेगी, तरवीन राणा, प्रदीप मसेटा,रजत अधिकारी, देवेंद्र रावत, धर्मेंद्र राणा, सुभाष रावत, मोहित अग्रवाल, विनोद बेलवाल आदि। (एजेंसी)

कोषागार कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर किया काम

देहरादून। कोषागार कर्मचारी संगठन बुधवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। इसमें संगठन से जुड़े सभी कर्मचारियों ने बुधवार को काली पट्टी बांधकर सरकारी काम किया। देहरादून कोषागार के अलावा ऋषिकेश, विकासनगर, चकराता, त्यूणी और मसूरी उप कोषागार में भी कर्मचारी आंदोलन में शामिल हुए। संगठन के जिलाध्यक्ष संदीप जोशी और महासचिव पंकज हटवाल ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी कोषागार कर्मचारी आंदोलन में शामिल हुए हैं। यह आंदोलन का पहला चरण है ओर उनकी मांगें पूरी नहीं की जाती हैं तो वह चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। कोषागार कर्मचारी सेवा नियमावली के साथ ही पृथक कोषागार संवर्ग, कोषागारों में तैनात लेखाकारों और सहायक लेखाकारों के वेतन, पदोन्नति, कोषागार कर्मचारियों के वेतन में कटौती को वापस लेने, सचिवालय भत्ते की तर्ज पर कंप्यूटर भत्ता और आईएफएमएस भत्ता ग्रेड पे का 85 फीसदी देने, लेखा विभाग के अधिकारियों का कोषागार के कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप रोकने की मांग कर रहे हैं।

कारोबार के लिए दो लाख उधार लेकर वापस नहीं किए

देहरादून। कारोबार करने के नाम पर परिचित से 2.65 लाख रुपए उधार लेकर आरोपी ने वापस नहीं लौटए। पीड़ित की तहरीर पर रायपुर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। रायपुर थाना अध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि अनिल कक्कड़ निवासी चंदननगर हाल निवासी शिव गिरधर निकुंज कॉलोनी निकट नालापानी चौक ने शिकायत दी। बताया कि राहुल आसरा निवासी दक्षिणी दिल्ली ओल्ड डबल स्टोरी उनका परिचित है। उसने व्यवसाय के नाम पर उनसे एक बार 70,000 और तीन बार 65–65 हजार रुपए उधार लिए।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर लगाई प्रदर्शनी

देहरादून। बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा की ओर से भारत विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। देहरादून क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख बिशंभर दत्त ने बताया कि इतने सालों के बाद भी विभाजन में अपने लोगों को खोने वालों के दर्द के किस्से सुनाई देते हैं। ऐसे ही अनगिनत लोगों की याद में प्रत्येक वर्ष 14 अगस्त को यह दिन मनाया जाता है। इस अवसर पर ब्रम्हानंद मिश्रा और विभाजन विभीषिका का दंश झेले हुए परिवारों के सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में शाखा के मुख्य प्रबंधक ब्रम्हानंद मिश्रा, वरिष्ठ नागरिक, ग्राहक आदि मौजूद रहे।

जल संस्थान को टाउन हाल में दफ्तर नहीं मिला तो कल से आंदोलन

देहरादून। मसूरी में उत्तराखंड जल संस्थान को नवनिर्मित टाउन हाल में दफ्तर नहीं मिला तो कर्मचारी आंदोलन करेंगे। इसे लेकर 18 अगस्त से टाउन हाल परिसर में कर्मचारी यूनियन धरना देगी।

साथ ही काला फीता बांध कर कार्य करेंगे। 23 अगस्त को कर्मचारी सामूहिक अवकाश रहेंगे और 25 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। जल संस्थान का कार्यालय मसूरी में निजी भवन में चल रहा है, जिसे कोर्ट के आदेश के बाद खाली किया जाना है। इससे पहले जल संस्थान कार्यालय टाउन हाल में चलाया जा रहा था। टाउनहाल के नए बनाए जाने पर जल संस्थान का निजी भवन में शिफ्ट कर दिया गया था। तब आश्वासन दिया गया था कि जल संस्थान को 500 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया। उत्तराखंड जल संस्थान मसूरी शाखा के अध्यक्ष रामचंद्र सेमवाल और महामंत्री उत्तम सिंह ने बताया कि जल संस्थान अब तक 150 लाख रुपये निजी भवन के किरए और कोर्ट केस पर खर्च कर चुका है। जबकि नए कार्यालय भवन बनाने के लिए 200 लाख रुपये की जरूरत है। ऐसे में टाउन हॉल के एवज में जल संस्थान को 350 लाख रुपये की धनराशि दी जानी चाहिए। साथ ही टाउनहाल में कार्यालय फिर से शिफ्ट किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं किया गया तो कर्मचारी आंदोलन करेंगे। व्यापार संघ अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने भी कर्मचारी यूनियन की मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि व्यापारी आंदोलन को पूरा समर्थन करेगा।

दो को होगी भूतपूर्व सैनिकों की रैली

उत्तरकाशी : जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टेन (नेवी) रंजीत सेठ ने बताया कि आगामी 2 सितंबर को मनेरा स्टेडियम उत्तरकाशी में भूतपूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में जनपद के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सैनिक विधवाओं एवं उनके आश्रितों के साथ ही 11वीं वटालियन जेकलाई के जवान प्रतिभाग करेंगे। (एजेंसी)

लाल किले पर दिखी उत्तराखंडी परिधान की झलक, जौनसारी पहनावे ने खींचा सबका ध्यान

साहिया, उत्तराखंड अपनी सभ्यता और संस्कृति के लिए जाना जाता है। यहां के खाने से लेकर यहां के परिधान पूरे देश में अपना एक अलग ही स्थान रखते हैं। अब स्वतंत्रता दिवस के इस खास मौके पर एक बार फिर से उत्तराखंड की अनूठी संस्कृति की झलक लाल किले पर देखने को मिली।

देश दुनिया में अपनी अनूठी संस्कृति के लिए विख्यात जौनसार बावर की पौराणिक वेशभूषा स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के लाल किले पर आकर्षण का केंद्र बनी। वहां मौजूद व्यक्तियों ने जौनसार बावर के महिला पुरुषों के समूह के साथ सेल्फी ली। उत्तराखंड सरकार ने जौनसार बावर जनजातीय कल्याण समिति दिल्ली के लगभग 50 महिलाएं और पुरुषों का समूह स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले पर भेजा था।

जौनसार बावर की वेशभूषा ने खींचा सबका ध्यान

उत्तराखंड भवन से सभी एक साथ रवाना हुए। जैसे ही जौनसारी वेशभूषा घाघरा, जगा, डांटू में महिलाओं का दल लाल किले पर पहुंचा। वहां पर उपस्थित लोगों का ध्यान जौनसार बावर की वेशभूषा में पहुंचे समूह पर गया। समूह के साथ सेल्फी खींचने वालों का तांता लग गया। जौनसार बावर से 50 महिलाओं और 50 पुरुषों का एक समूह लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण तक मौजूद रहा।

खुशी से झूम उठे ग्रामीण

जौनसार बावर की वेशभूषा में लाल किले पर पहुंची महिलाओं व पुरुषों को जब ग्रामीणों ने टीवी पर देखा तो क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा गया। क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि गांवों में अपने पर्व पर पहनी जाने वाली वेशभूषा का आकर्षण दिल्ली के लाल किले तक भी पहुंचना गर्व की बात है।

अग्निवीर योजना के विरोध में शामिल युवाओं पर दर्ज मुकदमे होंगे वापस

देहरादून, अग्निवीर योजना के विरोध प्रदर्शन में शामिल रहे उन युवाओं को सरकार बड़ी राहत देने जा रही है, जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं अथवा स्कूल–कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वतंत्रता दिवस पर इन युवाओं और विद्यार्थियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की घोषणा की।सीएम धामी ने आमजन को वर्षभर भवन निर्माण सामग्री ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से पहुंचाने के दृष्टिगत खनिज प्रसंस्करण पोर्टल बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे जहां उपखनिज की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, वहीं आमजन को सस्ती दर पर यह आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री जच्चा–बच्चा सुरक्षा योजना होगी प्रारंभ

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं से संबंधित कई घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री जच्चा–बच्चा सुरक्षा योजना प्रारंभ की जाएगी। राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 12वीं तक के विद्यार्थियों को पुस्तकें हिंदी तथा अंग्रेजी, दोनों माध्यम में निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि राज्य के प्रमुख चौराहों और सड़कों का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बलिदानियों, साहित्यकारों और महान विभूतियों के नाम पर किया जाएगा।

पौड़ी में रचा इतिहास, एक साथ फहराए 76 ध्वज

स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ व आजादी का 77वां अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पौड़ी के कण्डोलिया मैदान में एकसाथ 76 ध्वजारोहण करते हुए इतिहास रचा गया। तिरंगे और रंगोलियों के रंगों में सरोबार कण्डोलिया मैदान में देशभक्ति के ऊपर स्कूली बच्चों द्वारा दी गयी अनोखी सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सार्वजनिक समारोह में चार चांद लगा दिए।

गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत पौधा रोपते हुए।

एक साथ 76 ध्वजारोहरण में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेते हुए गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर रहे स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने ध्वजारोहरण का नेतृत्व किया। मुख्य अतिथि सांसद गढ़वाल ने कहा कि एक साथ 76 ध्वजारोहण करना बड़े गर्व की बात है।

कहा कि देश के जिन रणबांकूरों ने देश पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया हमें उनके योगदान को विस्मृत नहीं होने देना है। कहा कि हम आजादी के 77वें अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के असली हीरों को सामने ला रहे हैं, गुलामी मानसिकता के किसी भी पद् चिन्ह् को मिला रहे हैं। विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि जो देश पर मर मिटे उन्हीं की बदौलत हम आज खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। इसीलिए उनके योगदान को हमेशा याद रखना होगा। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, अपर आयुक्त नरेंद्र सिंह कुरियाल, मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, डीएफओ स्वप्निल अनिरूद्व, नगर पालिका अध्यक्ष पौड़ी यशपाल बेनाम, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, परियोजना निदेशक डीआरडीए संजीव कुमार रॉय, ब्लॉक प्रमुख पौड़ी दीपक खुगशाल, जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर, मुख्य कोषाधिकारी गिरीश चंद्र सहित सुषमा रावत, कमला रावत आदि मौजूद रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

सक्रिय और कर्तव्यनिष्ठ कार्मिक बनने का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान द्वारा स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया। उन्होंने देश के बलिदानियों की अंतिम छोर पर बैठे आदमी के आंसु पोंछने की प्रेरणा को साकार करने के लिए सक्रिय और कर्तव्यनिष्ठ कार्मिक बनने का दिया संदेश। वहीं स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ पर अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल नरेंद्र सिंह कुरियाल ने कार्यालय में ध्वजारोहण किया।

डीएम ने आजादी के दौरान उपजी विभिन्न विचारधाराओं, निर्णायक कारकों तथा स्थानीय स्तर पर आजादी की मशाल थामने वाले रणबांकूरों के योगदान पर चर्चा की। उन्होंने आजादी की लड़ाई में उत्तराखंड के साथ ही विभिन्न प्रजामंडल आंदोलनों को स्मरण कराते हुए कहा कि हमें देश पर मर-मिटने वाले हीरों की कहानियों को अपनी अगली पीढ़ी को पहुंचाते रहना चाहि, ताकि हमारे बच्चे उनसे प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोस में पाकिस्तान-अफगानिस्तान में लोकतंत्र पर अनेक आघात हुए, लेकिन हमारा लोकतंत्र आज भी दुनियां के लिए आदर्श बना हुआ है तो इसके पीछे राष्ट्र निर्माण की वही प्रेरणा और सपने हैं जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखे थे। उन्होंने कहा कि हमें बतौर अधिकारी और सरकारी कार्मिक यह सोचना चाहिए कि हम अपने दायित्वों को किस तरह से बेहतर तरिके से संपादित कर सकें, ताकि जनता का हमारे ऊपर विश्वास ना केवल बना रहे बल्कि और मजबूती बने। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने कहा कि हमें कुर्सी मिलने पर निर्बल वर्ग के प्रति हमें अपना कर्तव्य नहीं भूलना चाहिए। हमें आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात आज की तिथि तक क्या बदलाव आये हैं उनका भी तुलनात्मक अध्ययन करते हुए शासन-प्रशासन को जनकेन्द्रित कैंप बनाया जा सके इस पर ध्यान लगाना चाहिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, उपजिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा, अबरार अहमद, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम डॉ. आशीष चौहान।

लघु फिल्म में बीआर मॉर्डन स्कूल को मिला प्रथम पुरस्कार

गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

पौड़ी :समारोह में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 13 अगस्त को आयोजित की गयी क्रॉस कंट्री दौड़ में अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग, अंडर-18 बालक-बालिका वर्ग तथा ओपन पुरूष व महिला वर्ग में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में जनपद के स्वतंत्रता सैनानी व शहीदों की थीम पर आधारित लघु फिल्म में प्रथम पुरस्कार बीआर मॉर्डन स्कूल पौड़ी, द्वितीय पुरस्कार सेन्ट थॉमस स्कूल पौड़ी तथा तृतीय पुरस्कार राजकीय इण्टर कॉलेज पौड़ी को प्रदान किये गये।

पूर्व पीएम के बताएं मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर भाजपा ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपाईयों ने पूर्व पीएम के दिखा गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुषमा रावत, जिलामहामंत्री शशीचंद्र रतूड़ी, प्रदेशकार्यकारिणी सदस्य सुमनलता ध्यानी, नगराध्यक्ष क्रांति किशोर नेगी, सोशल मीडिया संयोजक दिगम्बर नेगी, जिला कार्यालय प्रभारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मण सिंह नेगी, जिला कोषाध्यक्ष संजय रावत, प्रदीप भंडारी, विवेक ममगांई, संगीता डोभाल, ज्योति सुंद्रियाल, शिवानी केमनी, ललित नेगी आदि शामिल थे।

डा. आलोक सागर को मिला यूके का पेटेंट ग्रांट

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आलोक सागर गौतम को इंट्रीग्रेवल लेजर मार्कर पर यूनाइटेड किंगडम का अंतरराष्ट्रीय पेटेंट ग्रांट हुआ है। डॉ. गौतम ने बताया कि यह पेटेंट एनआईटी जमशेदपुर में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर बलराम अम्बादे के सहयोग से लेजर मार्कर पर डिजाइन तैयार कर यूनाइटेड किंगडम में अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए प्रस्तुत किया गया था, जो कि 9 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट ग्रांट किया गया। डा. गौतम के 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्र एवं 7 राष्ट्रीय पेटेंट भी प्रकाशित हो चुके हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, डीन स्कूल साइंस प्रो. एससी भट्ट, भौतिकी विज्ञान विभाग के विभागध्यक्ष प्रो. टीसी उपाध्याय सहित सभी संकाय सदस्यों ने डा. गौतम को बधाई और शुभकामनाएं दी। (एजेंसी)

1 अक्टूबर को काला दिवस मनाएंगें कर्मचारी, करेगें सीएम आवास कूच

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की बैठक में पुरानी पेंशन बहाली के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार पर लगातार दबाव बनाए रखने के लिए इस मुददे को जोर-शोर से उठाने का निर्णय लिया गया। प्रदेश प्रभारी विक्रम सिंह रावत ने कहा कि 1 अक्तूबर को राज्य के सभी कर्मचारी उत्तराखंड में काला दिवस मनाएंगे और सीएम आवास घेराव एवं एनपीएस की प्रतियां भी जलाई जाएंगी। गढ़वाल मंडल सचिव नरेश भट्ट ने कहा कि हमें अपनी कार्यक्रमों को पूर्व की भांति धरातल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से चलाते रहने चाहिए। गढ़वाल मंडल महिला उपाध्यक्ष रश्मि गौड़ ने कहा कि अब कार्मिक पीछे हटने वाला नहीं है और केंद्र तथा राज्य पर लगातार पुरानी पेंशन बहाली के लिए दबाव बनाता रहेगा।ऑनलाइन बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 अक्तूबर 2004 से उत्तराखंड में पुरानी पेंशन बंद कर नई पेंशन लागू की गई थी और राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा हर वर्ष इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाता है। प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि प्रदेश में 1 अक्तूबर कार्मिकों के लिए काला दिन है और हम तब तक संघर्ष करते रहेंगे जब तक कि पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती। प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत ने कहा कि काला दिवस उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन पूरे देश में कार्मिकों के लिए जीपीएफ आधारित पुरानी पेंशन बहाल होगी और उनका भविष्य सुरक्षित होगा। गढ़वाल मंडल अध्यक्ष पूरन सिंह फर्सवान ने कहा कि 1 अक्तूबर के बाद भी हमें लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली के लिए अभियान जारी रखना होगा। जिसमें 9 नवंबर स्थापना दिवस पर भी हमें गैरसैण विधानसभा कूच करना होगा। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी सिंह रावत ने बताया कि यद्यपि केंद्र सरकार अभी कोई घोषणा नहीं कर रही है, लेकिन वह बहुत दबाव में है और यही कारण है कि दिल्ली में रैली के तुरंत बाद संयुक्त मंच के पदाधिकारियों को वार्ता हेतु बुलाया गया। जिसमें पदाधिकारियों द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि कार्मिक पुरानी पेंशन से कम किसी भी मुदे पर समझौता नहीं करेंगे।

धूमधाम से मनाया 77वां स्वतंत्रता दिवस, अमर शहीदों को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद में 77वॉं स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय में छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने प्रातः गोपीनाथ मंदिर प्रांगण से पूरे शहर में प्रभात फेरी निकाली तथा आजादी के नारे लगाते हुए अमर शहीदों के बलिदान को याद किया। सभी विभागों, शिक्षण संस्थाओ, गैर सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया।जिला कार्यालय में जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने ध्वजारोहण करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व महापुरुषों को नमन करते हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि हमें उनके संघर्षों से मिली आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु आपसी तालमेल, सौहार्द, ईमानदारी व कर्मठता से पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निवर्हन करना चाहिए। कहा कि सभी लोग दूसरे का दर्द अपना दर्द समझ कर उसका निराकरण करें, यही सच्ची देशभक्ति है। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहॉं एवं अन्य अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। स्वतंत्रता दिवस पर नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित समस्त अधिकारियों ने कुण्ड स्थित शहीद स्मारक पार्क में अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

डीएम किया स्कूलों का निरीक्षण, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने राजकीय प्रताप इण्टर कॉलेज बौराड़ी एवं राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज बौराड़ी का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों ही स्कूलों का बोर्ड का परीक्षा परिणाम ओर बेहतर बनाने के निर्देश दिए।राजकीय प्रताप इण्टर कॉलेज बौराड़ी के निरीक्षण के दौरान डीएम ने कॉलेज में विभिन्न कक्षा कक्षों में जाकर अध्यापकों और बच्चों से शिक्षा के परिणाम पर चर्चा की। बोर्ड के परिणाम को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कॉलेज में बच्चों की कम उपस्थिति पर डीएम ने प्रधानाचार्य को उपस्थिति को लेकर प्रतिदिन निगरानी करने तथा प्रतिदिन की रिर्पोट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अध्यापकों को प्रतिदिन अनुपस्थिति बच्चों की मेपिंग कर लगातार अभिभावकों से फोन पर बात कर अनुपस्थित का कारण डायरी में नोट करने तथा हर विषय के सैम्पल पेपर तैयार कराने के निर्देश दिए। डीएम ने प्रयोगशालाओं एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था का भी जायजा मौके पर लिया। राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज बौराड़ी में डीएम ने विभिन्न कक्षा कक्षों के निरीक्षण के दौरान शतप्रतिशत उपस्थिति दर्ज करवाने, उपस्थिति को लेकर प्रतिदिन निगरानी करने तथा प्रतिदिन की रिर्पोट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गये।

रूद्रप्रयाग में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : जनपद में 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने जिला कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता के साथ करते हुए समाज के निर्बल एवं असहाय लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद हुए वीर स्वतंत्रता सैनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, श्री केदारनाथ धाम में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा जनपद के सभी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में कार्यालध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जनपद के शिक्षण संस्थानों में प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई। इसके साथ ही जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम में जनपद वासियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराया। आजादी के 77वां स्वतंत्रता दिवस पर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने जिला कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। जिलाधिकारी ने आजादी के 76 वर्ष पूर्ण होने पर उन स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों को भी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग एवं बलिदान से ही आज हम आजादी का 77वां वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि सभी लोग अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करें, जो भी विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं उन योजनाओं में धरातल पर कार्य करते हुए विकास का लाभ क्षेत्रीय गरीब जनता को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यही आजादी के आंदोलन में शहीद हुए स्वतंत्रता सैनानियों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति अपनी समस्याओं को लेकर कार्यालयों में आते हैं उनकी समस्याओं का बिना किसी पक्षपात एवं भेदभाव के तत्परता से निराकरण किया जाए, ताकि आम जनमानस की समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जाए तथा आम जनमानस को अनावश्यक परेशान न होने पाए। इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग की छात्राओं ने राष्ट्रगान एवं देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी, जिन्हें जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

अंग्रेजी शराब की दुकान खोलने की मांग उठाई

टिहरी : क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब बनने और बाहर से तस्करी कर अवैध शराब महंगे दामों पर परोसने से परेशान सकलाना क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर क्षेत्र में अवैध कच्ची व पक्की शराब की रोकथाम करने के साथ ही क्षेत्र में सरकारी अंग्रेजी शराब की दुकान खोलने की मांग की। इस बाबत डीएम को ज्ञापन भी सौंपा।

बुधवार को सकलाना क्षेत्र के दर्जनों लोग नई टिहरी कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर इन्होंने डीएम दीक्षित से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि सरकारी शराब की दुकान न होने के चलते क्षेत्र में कुछ लोग अवैध कच्ची शराब घरों पर बनाने का काम कर रहे हैं। जिसके चलते क्षेत्र में वर्ष 2019-20 में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत भी हुई थी। सरकारी अंग्रेजी शराब की दुकान न होने के कारण इस क्षेत्र में बाहर से अंग्रेजी शराब की बड़ी मात्रा में तस्करी की जाती है। जिससे राजस्व की हानि होने के साथ ही लोगों को महंगे दामों पर शराब बेची जाती है। इसलिए सकलाना क्षेत्र में विधिवत सरकारी अंग्रेजी शराब की दुकान स्थापित की जाय। जिस पर डीएम ने मामले में कार्यवाही का भरोसा दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में सकलाना क्षेत्र के लोगों में पूर्व प्रधान हवेली कृष्णा प्रसाद, विजय पाल सिंह, यशवंत नेगी, बचन सिंह, बलवंत नेगी, केदार सिंह, राजेंद्र सिंह, हुकमा, कांती, पुष्पेंद्र, कमल दास, बुद्धिराम, महेश भट्ट, सर्केद्र सिंह, पद्मदास,पूर्ण लाल सहित दर्जनों मौजूद रहे। (एजेसी)

मद्महेश्वर से फंसे 293 यात्रियों का किया रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग : मद्महेश्वर धाम में फंसे श्रद्धालुओं को बुधवार को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया है। हेलीकॉप्टर और नदी पर रस्सी के सहारे कुल 293 यात्रियों को रेस्क्यू कर वापस लाया गया। यात्रियों ने प्रशासन, रेस्क्यू टीमों के साथ ही क्षेत्रीय ग्रामीणों का सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया।

बुधवार को सुबह 7 बजे से मद्महेश्वर में फंसे यात्रियों को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर वापस लाने का काम शुरू किया गया। इसमें एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों का अहम योगदान रहा। हेलीकॉप्टर से 190 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर रांसी लाया गया जबकि 103 श्रद्धालुओं को वनतोली में नदी पर रोप के माध्यम से सकुशल निकाला गया। बीते 13 अगस्त को सुबह 6:40 मिनट पर भारी बारिश के चलते मद्महेश्वर धाम के मुख्य पड़ाव गौंडार के निकट स्थित वनतोली में सरस्वती नदी पर बना पुल बह गया था, जिसके बाद धाम में ढाई सौ से अधिक श्रद्धालु धाम में फंसे हुए थे। आवाजाही का एकमात्र रास्ता होने के चलते कोई भी विकल्प नहीं बचा हुआ था। जिसके बाद गौंडार के ग्रामीणों ने प्रशासन की टीमों के साथ नदी पर रोप लगाने में सफलता हासिल की। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस, छात्रों ने निकाली प्रभात फेरी

कैबिनेट मंत्री ने वीरांगनाओं को किया सम्मानित

टिहरी : जनपद में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाते हुए स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली।

विभिन्न संस्थानों व स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कर स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले जवानों को याद किया गया। इस मौके पर पीआईसी में वीरांगनाओं को सम्मानित करने का काम काबीना मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने किया।स्वतंत्रता दिवस पर काबीना व जनपद के प्रभारी मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने प्रतिभाग कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा समस्त जनपद वासियों को स्वतन्त्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मेरी माटी मेरा देश अभियान कार्यक्रम के तहत हाथ में माटी लेकर सभी उपस्थिति लोगों को पंचप्रण की शपथ दिलाई। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड टिहरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि निदेशक (कार्मिक) टीएचडीसी शैलेन्द्र सिंह ने राष्ट्र ध्वज फहराया और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों एवं स्कूली बच्चों के द्वारा दी गई मार्च पास्ट परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण भी किया।

पीटीए के अध्यक्ष बनें प्रेम शर्मा

चमोली : राजकीय अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज तलवाड़ी में शिक्षक-अभिभावक संघ में सर्वसम्मति से प्रेम शर्मा को अध्यक्ष चुना गया। प्रधानाचार्य एनबी देवराड़ी को पदेन उपाध्यक्ष, अवतार सिंह सेजवाल को कोषाध्यक्ष, खुशहाल सिंह बिष्ट को सचिव चुना गया है।

स्कूटी समेत तीन युवक गिरफ्तार

उत्तरकाशी : पुरोला क्षेत्र अंतर्गत लंबे समय से स्कूटी और बाइक चोरी गिरोह की शिकायतें मिलने पर पुलिस ने तीन युवकों को एक गांव से चोरी की स्कूटी सहित गिरफ्तार किया है।पुरोला क्षेत्र में आये दिन दोपहिया वाहनों की चोरी, तोड़फोड़ व वाहनों से पेट्रोल तथा आवश्यक कलपुर्जों की चोरी की शिकायतें मिल रही थी। मंगलवार को पुरोला के पोरा गांव के प्रेमबल्लभ बिजल्वाण ने ई-एफआईआर दर्ज करवाई। जिसमें उनकी स्कूटी गांव से चोरी होने की शिकायत की गई थी, जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन घंटे के अंदर मोरी की ओर से आते हुए अंगोडा के समीप स्कूटी सहित तीन आरोपियों करण सिंह थापा, निखिल थापा और अर्जुन राणा को गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुरोला थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को पोरा गांव निवासी प्रेमबल्लभ बिजल्वाण ने अपनी स्कूटी गांव से चोरी होने की शिकायत ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करवाई, जिस पर टीम गठित कर 3 घण्टे में ही स्कूटी सहित उपरोक्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र अब्दुल हन्नान (ABDUL HANNAN) के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम मोहम्मद जोहान (MOHAMMAD ZOHAN) अंकित हो गया है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम अब्दुल हन्नान (ABDUL HANNAN) अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाए।

अब्दुल मन्नान पुत्र मतलूब अहमद निवासी पनियाली तल्ली, लकड़ी पड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

उत्तर रेलवे G20

कोरीजेण्डम

विषय: निविदा सूचना संख्या 115-DRM-NB-23-24 dated 25.07.2023 के संबंध में।

अपरिहार्य स्थिति के कारण उपरोक्त निविदा 17.08.2023 के स्थान पर 28.08.2023 को खुलेगी। निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2530/23

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी०एस०टी० व ई०पी०एफ० में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 06.09.2023 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 05.09.2023 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू०)
11/2023-24	रू० 1000/-	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	36000.00
12/2023-24	रू० 250/-	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत ग्राम जमोला में 25 केवीए परिवर्तक का निर्माण कार्य।	8000.00

पत्रांक : 7127/वि०वि०ख०/टी-6
दिनांक : 16.08.2023

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

सम्पादकीय

पर्यटन पर पलीता लगाती घटनाएं

उत्तराखंड में पर्यटन की दिशा सुधारने के लिए पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा को सुदृढ़ बनाने पर राज्य सरकार ने व्यापक तौर पर कार्य किया है। हालांकि पर्यटन स्थलों पर जिस प्रकार का व्यवहार पर्यटकों के साथ किया जाता है वह यह बताने के लिए काफी है कि कुछ तत्व ऐसे भी हैं जो पर्यटन को पलीता लगाने में पीछे नहीं है। उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आए दिन पर्यटकों के साथ मारपीट के किस्से अब आम होने लगे हैं। धार्मिक स्थलों पर भी पिछले दिनों चारधाम यात्रा मार्ग से जुड़े ऐसे कई वीडियो सामने आए जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा पर्यटकों के साथ अभद्रता एवं मारपीट की गई। स्थानीय पुलिस ने ऐसे लोगों के खिलाफ कोई गंभीर कार्रवाई नहीं की और मामले अधिकांश ऐसे हैं जो कि रफा–दफा कर दिए गए। पर्यटन स्थलों पर मारपीट के यह किस्से केवल इसी सीजन में नहीं है बल्कि इससे पूर्व भी पर्यटकों की सुरक्षा पर सेंध लगती आई है। कुछ वर्ष पूर्व चकराता में घूमने आए युगल के साथ तो ऐसा हादसा हुआ था जिसे वह अपनी जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे। एक तरफ जहां भारी बारिश के कारण उत्तराखंड में पर्यटन पूरी तरह से ठप है तो वही गिने–चुने पर्यटकों के साथ भी या तो प्राकृतिक खिलवाड़ कर रही है या फिर उनके साथ स्थानीय लोग मारपीट कर रहे हैं। पहाड़ों की रानी मसूरी में महज गाड़ी हटाने को लेकर पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई और मामला पुलिस तक जा पहुंचा। स्थानीय लोग जिनके पूरे वर्ष का जीवन यापन कुछ महीने चलने वाले पर्यटक पर आधारित है उनका पर्यटकों के साथ इस प्रकार का आचरण बेहद आपत्तिजनक है। स्थानीय पुलिस को पर्यटकों के साथ की जाने वाली मारपीट एवं अभद्रता को लेकर गंभीरता से पेश आना चाहिए और मारपीट करने वालों को केवल स्थानीय होने का लाभ देकर छोड़ना क्षेत्र की छवि को पर्यटन की दृष्टि से धूमिल करने के समान ही है। प्रदेश सरकार उत्तराखंड में पर्यटन की दिशा को सुधारने के लिए लंबी चौड़ी योजनाएं बनाई आई है और सरकार की कोशिश है कि पर्यटन से अधिक से अधिक राजस्व राजकोष में जमा हो लेकिन यह तभी संभव है जब पर्यटकों को उचित माहौल एवं सुरक्षा दी जाएगी। हजारों लाखों रुपए खर्च कर आने के बाद भी यदि पर्यटकों के साथ मारपीट की जाती है या उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसी दशा में उत्तराखंड का पर्यटन किस दिशा में जाएगा यह आसानी से समझा जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण है पर्यटकों की सुरक्षा जिसे लेकर राज्य पुलिस को गंभीरता तो दिखानी ही होगी। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्यटन पुलिस का गठन भी किया गया है लेकिन बावजूद इसके अक्षर पर्यटक स्थानीय लोगों के आगे खुद को असहाय महसूस करते हैं। हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि कुछ पर्यटक स्थानीय क्षेत्रों की गरिमा को खंडित करते हैं और अपनी हरकतों से माहौल को खराब करते हैं। स्थानीय पुलिस ऐसे पर्यटक को के खिलाफ कार्रवाई करती भी है जैसे कि इस सीजन में चार धाम यात्रा के दौरान "ऑपरेशन मर्यादा" के तहत नजर आई है। यदि पुलिस व्यवस्था बिगाड़ने वाले पर्यटक के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है तो फिर पर्यटकों के साथ मारपीट करने वाले स्थानीय लोगों पर रहम क्यों?

दस्तकार : हुनरमंदों की आजीविका को बचाना जरूरी

भारत डोगरा

हमारे देश में दस्तकारियों और हस्तशिल्प की आज क्या स्थिति है, उसे दो नजरियों से देखा जा सकता है। पहले नजरिए में ध्यान महानगरों में खुले हुए इंपोरियम और एक्सपोर्ट यानी निर्यात के बाजार पर केंद्रित है। निश्चय ही यहां काफी चकाचौंध है।

हालांकि अलग–अलग हस्तशिल्प के निर्यात में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं। किन्तु क्या बढ़ते निर्यात के आंकड़ों और इंपोरियम की चमक–दमक के आधार पर ही यह कहा जा सकता है कि भारत के दस्तकारों की हालत सुधर रही है और उनके रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं? नहीं, निर्यात के बाजार और महानगरों की खरीद का लाभ तो भारत जैसे बड़े देश के कुछ दस्तकारों तक ही पहुंच पाता है।

अधिकांश दस्तकारों की हालत तो इस बात पर निर्भर करती है कि अपने ही देश के गांवों और छोटे शहरों के साधारण लोग उनके साथ जुड़े हुए है या नहीं, उनकी बनाई वस्तुओं को खरीद रहे है या नहीं? इतनी ही महत्त्वपूर्ण या कई बार तो इससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि क्या दस्तकारों द्वारा घरेलू बाजार के लिए उत्पादन करने की स्थिति अनुकूल है? क्या उन्हें पर्याप्त कच्चा माल आसानी से और उचित कीमत पर मिल रहा है? क्या लकड़ी का काम करने वालों को लकड़ी मिल रही है या जुलाहों को सूत मिल रहा है? क्या कुम्हारों को मिट्टी तक नसीब हो रही है या नहीं? दस्तकारियों और दस्तकारों की हालत को देखने का यह दूसरा नजरिया उस बड़े हिस्से पर केंद्रित है, जो इम्पोरियम और निर्यात बाजार की चमक–दमक से दूर है। यहां हालत बहुत चिंताजनक है। लाखों दस्तकारों से उनका बाजार छिनता जा रहा है, लाखों दस्तकारों को कच्चा माल नहीं मिल रहा है। यहां तक कि बहुत से कुम्हारों को ठीक तरह की मिट्टी तक नहीं मिल रही है। कितनी ही दस्तकारियां दम तोड़ रही है, कितने ही बहुत अच्छे हुनर के दस्तकार निराश बैठे हैं और कसम खा रहे हैं कि अपने बच्चों से आगे यह काम नहीं करवाएंगे। हजारों बढ़िया और बारीक हुनर वाले दस्तकार आज रोजी–रोटी की खातिर रिक्शा या ठेला चलाने के लिए मजबूर हो गए हैं।

इतना ही नहीं, जिन दस्तकारों की बनाई वस्तुएं विदेशी बाजार, दिल्ली, मुंबई के इंपोरियम तक पहुंच रही हैं, उनके बारे में भी निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि उनकी आथिर्क हालत ठीक है।

कई दस्तकारियां बड़े–बड़े बाजारों में तो पहुंच रही हैं पर ग्राहकों द्वारा दी गई ऊंची कीमत का बहुत मोटा हिस्सा कई स्तरों पर फैले बिचौलिये ले जाते हैं। जिसके हुनर के बल पर सारा कारोबार चल रहा है, उसे बहुत कम हिस्सा मिलता है। इन दस्तकारों की कमाई का बड़ा हिस्सा हड़पने वाले बिचौलिये इस बात का भी ध्यान नहीं रखते कि यदि यह हुनर ही नहीं बचा तो इस पर आधारित पूरे कारोबार को कौन बचाएगा और कैसे बचाएगा। विदेशी आर्डर हमारे अपने हाथ में नहीं हैं। कई कारणों से उनमें उतार–चढ़ाव हो रहे हैं।

यह सच है कि विदेशी ऑर्डरों से हमारे यहां कई दस्तकारों को

हमारे खेतों, बगीचों और वनों मे ऐसे तरह–तरह के पौधे, झाड़ियां, पेड़ आदि मिलते हैं, जिनसे हम अनेक तरह के प्राकृतिक रंग प्राप्त कर सकते हैं। आज रासायनिक रंगों के उपयोग से बहुत प्रदूषण फैल रहा है। कुछ रासायनिक रंगों के उपयोग पर तो कई जगह प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

ऐसे रासायनिक रंगों का उपयोग हो तो कुछ महत्त्वपूर्ण स्थानों पर वस्त्र की बिक्री नहीं हो सकेगी। इस स्थिति में प्राकृतिक रंगों का महत्त्व और भी बढ़ गया है। इनका उचित उपयोग किया जाए तो निर्यात बाजार में भी बहुत सहायता मिल सकती है। अतः अनेक दस्तकारियों को आगे बढ़ाने में प्राकृतिक रंग देने वाले पौधों के संरक्षण से बहुत सहायता मिल सकती है।

रोजगार मिला और उनके महत्त्व को हम स्वीकार करते हैं। किन्तु उन्हें हम अपने दस्तकारी क्षेत्र का आधार नहीं बना सकते हैं। आधार तो हमारा अपना घरेलू बाजार ही रहना चाहिए। इस आधार को दस्तकारों के लिए सुरक्षित बनाना चाहिए। अपने दस्तकारों के लिए घरेलू बाजार को हमें प्राथमिकता देनी चाहिए और उसके ऊपर से यदि विदेशी ऑर्डरों से अतिरिक्त आमदनी हो जाए तो यह और भी अच्छा है। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि दस्तकारियों के पूरे कारोबार से जो आमदनी होती है, उसका पर्याप्त हिस्सा उन दस्तकारों तक जरूर पहुंचना चाहिए जिनकी मेहनत है, और जिनका हुनर है। साथ ही, उन्हें जरूरी कच्चा माल सही दाम पर प्राप्त होता रहे, इसके लिए विशेष प्रयास की जरूरत हैं।

हमारे खेतों, बगीचों और वनों मे ऐसे तरह–तरह के पौधे, झाड़ियां, पेड़ आदि मिलते हैं, जिनसे हम अनेक तरह के प्राकृतिक रंग प्राप्त कर सकते हैं। आज रासायनिक रंगों के उपयोग से बहुत प्रदूषण फैल रहा है। कुछ रासायनिक रंगों के उपयोग पर तो कई जगह प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

ऐसे रासायनिक रंगों का उपयोग हो तो कुछ महत्त्वपूर्ण स्थानों पर वस्त्र की बिक्री नहीं हो सकेगी। इस स्थिति में प्राकृतिक रंगों का महत्त्व और भी बढ़ गया है। इनका उचित उपयोग किया जाए तो निर्यात बाजार में भी बहुत सहायता मिल सकती है। अतः अनेक दस्तकारियों को आगे बढ़ाने में प्राकृतिक रंग देने वाले पौधों के संरक्षण से बहुत सहायता मिल सकती है।

जहां तक औद्योगिक नीति का सवाल है, तो आज जो इतनी तरह–तरह की औद्योगिक वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है, दस्तकारियों को भी इनमें एक महत्त्वपूर्ण जगह मिलनी चाहिए। जिन कार्यों और स्थानों में दस्तकारियों की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है, जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना वे बहुत से लोगों को रोजगार दे रही हैं, और साथ ही महत्त्वपूर्ण उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन कर रही हैं, वहां उनकी इस महत्त्वपूर्ण भूमिका को क्यों न स्वीकार किया जाए? उदाहरण के लिए हमारे देश के अनेक भागों में तरह–तरह के बांस और बेंत से कार्य करने वाले दस्तकार टोकरी, डलिया आदि अनेक तरह की दैनिक जीवन की वस्तुओं की आपूर्ति करते हैं। अब इस क्षेत्र में प्लास्टिक का प्रवेश भला क्यों हो? क्यों न पर्यावरण और रोजगार, दोनों की दृष्टि से उचित इस दस्तकारी को आगे बढ़ावा दिया जाए।

उनके कार्य की स्थायी सुरक्षा के लिए उन्हें बांस और बेंत उगाने के लिए कुछ भूमि दी जाए जिससे उन्हें कच्चे माल की कमी का सामना न करना पड़े। इस तरह छोटे–छोटे उपाय अपना कर हम अनेक दस्तकारियों को बचा सकते हैं और वे पर्यावरण तथा रोजगार संरक्षण, दोनों उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये उपभोक्ताओं की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि दैनिक उपयोग की इन दस्तकारियों में जो सहज सुंदरता है, वह प्लास्टिक में नहीं हो सकती है। हम अपनी औद्योगिक नीति में पर्यावरण संरक्षण और रोजगार बचाने की बात तो करते हैं पर व्यावहारिक स्तर पर हम इन अति महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों की उपेक्षा करते हैं। यदि हम वास्तव में इन उद्देश्यों को महत्त्व देते हैं तो यह स्पष्ट है कि अनेक जरूरतों को दस्तकारियों के माध्यम से पूरा कर इन उद्देश्यों की प्राप्ति बहुत अच्छी तरह से की जा सकती है। विशेषकर सरकारी कार्यालयों के लिए जो ऑर्डर हैं–वर्दी, परदे, टेबल क्लॉथ, डस्ट बिन आदि कितनी ही विविध वस्तुओं के ऑर्डर, जिन्हें दस्तकारियों के स्तर पर बखूबी पूरा किया जा सकता है, को तो दस्तकारियों को ही दिया जाना चाहिए। यह बात तो पूरी तरह सरकार के हाथ में है तो भी इसकी उपेक्षा क्यों होती है? हां, दस्तकारियों की गुणवत्ता बनी रहे इसके लिए असरदार कदम उठाए जा सकते हैं।

दस्तकारियों की सहायता के लिए कोई भी नीति अपनाई जाए, कोई भी उपाय किए जाएं उनमें हमें इस बुनियादी बात को नहीं भूलना चाहिए कि हमें वास्तविक दस्तकार तक, वास्तविक मेहनतकश और हुनरमंद तक पहुंचना है। जो तरह–तरह के बिचौलिये सरकारी सहायता का लाभ बटोरने के लिए तैयार रहते हैं पर साथ ही गरीब जरूरतमंद दस्तकार का शोषण करने में भी आगे है, उनसे हमें बचना है, उनके दबदबे को दस्तकारी क्षेत्र में कम करना है और हो सके तो दूर करना है।

दुनिया की सुदंरतम जगहों में बरबादी!

श्रुति व्यास

अमेरिका का प्रांत हवाई! और दृश्य और तस्वीरें,बर्बादी हृदय विदारक। नीले और सफेद रंगों से सराबोर रहने वाले इस द्वीप में विनाशकारी आग की लपटों से बहुत बड़ा इलाका जल कर खाक हो गया है। उन्नीसवीं सदी के हवाइयन साम्राज्य की राजधानी लहेना लगभग पूरी तरह नष्ट है।

जंगल में लगी आगने लहेना की सुंदरता छीन ली है। यह आग अमेरिका में पिछले सौ सालों में सबसे भयावह थी। इस दुनिया को अलविदा कहने से पहले जिन जगहों पर हम जाना चाहते हैं, जिन्हें देखना और अनुभव करना चाहते हैं, ऐसी जगहों की हम सब की सूची में हवाई का नाम ज़रूर होता है। पर यह सूची छोटी होती जा रही है। और इसका मुख्य कारण है मौसम। हर बीतते दिन के साथ मौसम ख़राब, और ख़राब होता जा रहा है, अधिकाधिक विनाशकारी होता जा रहा है। ऐसे बहुत से स्थान जहां हम–आप जाना चाहते हैं, क्लाइमेट चेंज का दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। इस साल इटली में गर्मी का प्रकोप हमारी दिल्ली से भी ज्यादा था। ग्रीस में भी असहनीय गर्मी है। वहीं ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमरीका और चीन के कई भागों में अनवरत बारिश ने तबाही मचा रखी है। खबरों को देखकर और लेख पढक़र कर यह सोचना पड़ रहा है कि कौनसी जगह जाने लायक बची है। बहुत सी जगहें जंग के कारण इस सूची से बाहर हो गई हैं और अब बहुत सी जलवायु संबंधी उथलपुथल के कारण हो रही हैं।

हवाई और लहेना में भी यही हुआ। लगभग पूरा हवाई पिछले एक साल से सूखे से जूझ रहा है और माउई में हालात पिछले कुछ हफ़्तों में और बुरे हो गए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुनिया भर में बढ़ते तापमान और सूखे ने हवाई के कुछ इलाकों को सूखे भूसे का के ढेर में तब्दील कर दिया है, जिसे आग पकड़ते देर नहीं लगती। नजदीकी इलाके में आए एक तूफान के कारण चली तेज हवाओं

ने हालात और बदतर बना दिए। इस इलाके में गर्मी और सूखे का प्रकोप इतना ज्यादा था कि माउई के किहेइ नाम के शहर में धूप की गर्मी से खम्भों पर लगीं ट्रेफिक लाईटें तक पिघल गईं!

एक अन्य वजह यह थी कि लहेना के पास बड़ी कृषि भूमि को खाली छोड़ दिया गया था। चूंकि इस भूमि की देखभाल करने वाला कोई नहीं था इसलिए इस पर घास, झाड़ियां आदि उग आईं जो जल्दी आग पकड़ती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार खेती या पशुपालन की ज़मीन को खाली छोड़ देने पर वह ज्वलनशील बन जाती है। अमरीका और भूमध्य सागर क्षेत्र में हाल में हुए घातक अग्निकांडों के पीछे यही मुख्य कारण था।

हवाई में लोगों को इस बात की जानकारी थी। हवाई के अधिकारियों ने गत वर्ष एक रपट जारी की थी जिसमें प्राकृतिक आपदाओं को वहां के निवासियों के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया था। इनमें सूनामी, भूकंप और ज्वालामुखी प्रमुख थे। इस बहुरंगी चार्ट में स्टेट इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने जंगल की आग से मानव जीवन को उत्पन्न होने वाले खतरे का जिक्रसबसे अंत में करते हुए उसे 'लो' माना था।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक मृतकों की संख्या 89 हो चुकी है और इसमें बढ़ोत्तरी होना निश्चित है। वहीं लहेना के पुनर्निर्माण पर 5.52 अरब डॉलर का खर्च होने का अनुमान है। एक वजह लापरवाही भी थी। लोगों को आग के खतरे की चेतावनी देने के लिए जो सायरन लगाए गए थे वे बजे ही नहीं। आपात स्थिति के जो संदेश मोबाइल फोनों पर और टीवी व रेडियो पर प्रसारण हेतु भेजे किए गए वे बिजली कटने की वजह से पहुंच ही नहीं सके।सूखे, ज्वलनशील पदार्थों की अधिक मौजूदगी, तेज हवाओं और लापरवाही झ इन सबको त्रासदी का कारण माना जा रहा है। लेकिन क्या हम इससे कुछ सबक लेंगे? विनाशकारी आगें अब आम होती जा रही हैं झ अमेजन वनों से लेकर सरिस्का तक, लगभग हर महाद्वीप में तापमान बढ रहा है, और सूखे के हालात लगभग हमेशा रहते हैं। भविष्य लपटों भरा है! हमारे शहरों में तो खतरा और ज्यादा है। सभ्यताएं और इतिहास उजड़ रहे हैं, भविष्य में क्लाइमेट चेंज का असर कई गुना बढने़ वाला है, लेकिन हमें क्या इसकी जरा सी भी फिक्रहै?

चिंताजनक है यह तनाव

दोनों पक्ष के नेता एक–दूसरे के लिए अपशब्दों तक इस्तेमाल कर रहे हैं, तो समझा जा सकता है कि देश का सियासी माहौल किस हद तक बिगड़ चुका है। विरोधी खेमों में होने के बावजूद एक–दूसरे के लिए सम्मान का भाव रखने की परंपरा तार–तार हो गई है।संसद का मानसून सत्र राजनीतिक तनाव को असाधारण रूप से बढ़ाते हुए खत्म हुआ है। इसकी चरण परिणति दोनों सदनों से सदस्यों का निलंबन है। सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह का निलंबन विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक बढ़ा दिया गया। उसी रोज इस पार्टी के एक अन्य सांसद राघव चड्ढा को भी इसी तरह अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया। उधर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी निलंबित कर दिए गए। तीनों निलंबनों के कारण अलग–अलग हैं, लेकिन जिन कारणों से यह कदम उठाया गया, वे भारत में लंबे समय से संसदीय परंपरा का हिस्सा रहे हैं। इस बीच पूरा सत्र मणिपुर के मुद्दे पर पक्ष–विपक्ष में टकराव में उलझा रहा। आखिर में अविश्वास प्रस्ताव पेश कर विपक्ष ने इस पर चर्चा कराई, लेकिन बहस के दौरान जैसे शब्दों का इस्तेमाल एक–दूसरे के लिए हुआ और प्रधानमंत्री ने जवाब देते समय अपना जो चिर–परिचित तेवर दिखाया, उससे माहौल और गरमा गया।

अब दोनों पक्ष के नेता एक दूसरे के लिए अपशब्दों तक इस्तेमाल कर रहे हैं, तो समझा जा सकता है कि देश का सियासी माहौल किस हद तक बिगड़ चुका है। विरोधी खेमों में होने के बावजूद एक–दूसरे के लिए सम्मान का भाव रखने की परंपरा तार–तार हो गई है। आम तजुर्बा है कि ऐसे माहौल में लोकतंत्र का टिके रहना कठिन हो जाता है। इसी बीच सरकार ने जिस ताबड़तोड़ ढंग से– बिना बहस और प्रावधानों की पड़ताल की जांच करने का मौका दिए– तमाम महत्त्वपूर्ण विधेयक पारित कराए, उससे अविश्वास की खाई और बढ़ गई है। सत्र के आखिरी दिन भारतीय दंड संहिता, भारतीय आपराधिक संहिता और साक्ष्य अधिनियम को बदलने का बिल अकस्मात ढंग से पेश कर दिए जाने से आशंकाएं और गहराई हैं। नई संहिताओं का नाम हिंदी में रखने के कारण दक्षिणी राज्यों से आक्रोश भरी प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। संभवतः यह नहीं होता, अगर पहले राष्ट्रीय बहस के जरिए आम सहमति बनाने की कोशिश की गई होती। जबकि फिलहाल तमाम सहमतियां खंडित होती नजर आ रही हैं। यह गहरी चिंता की बात है।

जुकाम हो जाए तो जानें कब और कितने दिन बाद लेनी चाहिए दवा?

सर्दी, खांसी और जुकाम मौसमी बीमारियां हैं. मौसम बदलने के साथ ये परेशान करती हैं. इसकी वजह से सिर में दर्द और दिनबर थकान रहती है. जुकाम में कुछ लोग तुरंत दवा खा लेते हैं, जबकि कुछ दवा खाना अवॉयड करते हैं. उनका मानना है कि जुकाम में तुरंत दवा खाने से जुकाम जम जाता है और इससे सिरदर्द और साइनस जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं. आइए जानते हैं जुकाम में दवा खाना चाहिए या नहीं. अगर दवा खाना है तो तुरंत खाना चाहिए या बाद में...

जुकाम में शरीर देता है संकेत

जुकाम में शरीर कुछ संकेत देता है, अगर इसपर ध्यान दिया जाए तो जल्दी राहत मिल सकती है. अगर जुकाम होने पर शरीर में ज्यादा थकान महसूस हो रही है, बदन और सिरदर्द बना हुआ है तो ज्यादा काम से बचना चाहिए. ऐसे में शरीर को जितना संभव हो, उतना आराम दें. इससे काफी जल्दी रिलीफ मिल सकता है. तुरंत दवा खाने की बजाय बॉडी को रेस्ट देना ज्यादा फायदेमंद माना गया है.

जुकाम में कब खाना चाहिए दवा

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बॉडी में जमा टॉक्सिंस पर नजला, जुकाम की परेशानी होती है. नाक से पानी बहने के साथ टॉक्सिंस बाहर निकल जाता है. जब हम तुरंत दवा खा लेते हैं तो टॉक्सिंस बाहर नहीं आ पाता है और परेशानी बढ़ाने लगता है. अगर जुकाम तीन से चार दिन तक बना रहे तब दवा लेनी चाहिए. डॉक्टर का कहना है कि पहले तीन–चार दिन तक इंतजार करना चाहिए. अमूमन इतने पीरियड में जुकाम खुद ही ठीक हो जाता है, लेकिन अगर यह बना रहे, तब डॉक्टर की सलाह लेकर दवा लेनी चाहिए. वरना समस्या बढ़ सकती है.

जुकाम में क्या करना चाहिए

शहद और अदरक का रस लेना चाहिए.

गुनगुने पानी में अदरक का सेवन करना चाहिए.

गर्म पानी से भी अदरक ले सकते हैं.हल्का खाना, गर्म दूध के जवे लेना फायदेमंद होता है.

नवजात के लिए क्यों जरूरी है टमी टाइम...जानिए इसके जबरदस्त फायदे

नवजात बच्चे बहुत ही नाजुक होते हैं. उनकी अच्छी ग्रोथ के लिए उनका खास ख्याल रखना पड़ता है. हर मां–बाप को शिशुओं के हेल्थ से जुड़े बातों को समझना और उन्हें फॉलो करना जरूरी होता है. जिस तरह से नवजात को आप टाइम टू टाइम खाना खिलाते हैं, नहलाते हैं, गोद में टहलते हैं, इसी तरह नवजात के लिए टमी टाइम भी जरूरी होता है, जी हां टमी टाइम... इसका मतलब बच्चों का पेट के बल लेटना. यह बच्चों के विकास के लिए काफी जरूरी होता है. कुछ बच्चे खुद ही पलट जाते हैं और पेट के बल खेलते हैं लेकिन अगर आपका बच्चा पेट के बल लेट नहीं कर रहा है तो आपको उसे पेट के बल लेटाना चाहिए

कैबिनेट फेरबदल की फिर चर्चा

संसद का मानसून सत्र समाप्त होने के बाद ही एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा शुरू हो गई है। पिछले महीने 20 जुलाई को सत्र शुरू होने के ठीक पहले तक यह चर्चा चलती रही थी। अब कहा जा रहा है कि 15 अगस्त के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल होगी और कुछ नए चेहरे सरकार में शामिल होंगे। सहयोगी पार्टियों की ओर से इस बात की ज्यादा चर्चा चलाई जा रही है लेकिन भाजपा के नेता भी उम्मीद लगाए हुए हैं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी दूसरी सरकार में जुलाई 2021 में फेरबदल की थी। उसके बाद एक छोटा बदलाव कानून

मंत्री को बदलने का हुआ। तभी कम से कम एक और बदलाव की चर्चा होती रही है।बहरहाल, पहले कहा जा रहा था कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कुछ चीजों का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद बदलाव होगा। उनमें एक चीज यह बताई जा रही थी कि बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी वापस एनडीए में लौट सकती है। लेकिन अब उसकी संभावना नहीं दिख रही है। दूसरी चीज यह कही जा रही थी कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस बात के लिए तैयार किया जा रहा है कि वे केंद्र में मंत्री बन जाएं और ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रदेश में मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन अब इसकी भी संभावना खत्म हो गई है।

सो, इनके बगैर ही सरकार में फेरबदल करनी होगी।जानकार सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र की दोनों सहयोगी पार्टियों ने भाजपा पर दबाव बनाया है। शिव सेना के नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी के नेताओं का कहना है कि भाजपा अपना किया हुआ वादा पूरा नहीं कर रही है। न प्रदेश में उसके और मंत्री बनाए जा रहे हैं और न केंद्र में किसी को मंत्री बनाया गया है। तभी अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए शिव सेना से दो नाम तय किए गए थे लेकिन बाद में मुख्यमंत्री के बेटे श्रीकांत शिंदे अकेले ही बोले। इसी तरह राज्यसभा में दिल्ली के सेवा बिल पर शरद पवार की पार्टी की ओर से व्हिप जारी नहीं किया गया था फिर भी प्रफुल्ल पटेल ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों की ओर से मंत्रिमंडल में जगह के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

बिहार से लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता चिराग पासवान इंतजार कर रहे हैं कि कब उनकी शपथ होती है। अभी उनके चाचा पशुपति पारस केंद्र सरकार में मंत्री हैं। हालांकि यह तय नहीं है कि चिराग उनकी जगह मंत्री बनेंगे या उनको बनाए रखते हुए चिराग को बनाया जाएगा। भाजपा के जानकार सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश के मंत्रियों में से कुछ को हटाया जा सकता है। अब जिनको भी हटाया जाएगा उनको संगठन में भी नहीं भेजा जा सकता है क्योंकि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने संगठन का ऐलान कर दिया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा के जिस मंत्री को सरकार से हटाया जाएगा उसको लोकसभा चुनाव में टिकट भी शायद ही मिले।

भाजपा ने त्रिपुरा विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

नईदिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों के लिए पांच सितंबर को होने वाले उपचुनाव के वास्ते अपने उम्मीदवारों के नाम बुधवार को घोषित कर दिए।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि भाजपा ने तफ्फजल हुसैन को बोक्सानगर विधानसभा सीट से और बिंदु देबनाथ को धनपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। हुसैन बोक्सानगर के स्थानीय नेता हैं जबकि देबनाथ धनपुर में पार्टी के मंडल अध्यक्ष हैं।

भाजपा की त्रिपुरा इकाई के मीडिया प्रमुख सुनीत सरकार ने कहा, पार्टी के वरिष्ठ नेता आज से बूथ स्तर पर प्रचार शुरू करने के लिए बोक्सानगर और धनपुर जा रहे हैं। हमारे उम्मीदवार बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।माकपा विधायक समसुल हक के निधन के कारण बोक्सानगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। धनपुर से केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक के विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम मोर्चा ने कौशिक चंदा और मिजान हुसैन को क्रमशः धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाया है।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अगस्त है जबकि अगले दिन नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उपचुनावों की मतगणना आठ सितंबर को होगी।

ट्रक और ऑटो–रिक्शा की आमने–सामने जबरदस्त भिड़ंत, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

हैदराबाद ,(एजेंसी)। तेलंगाना के वारंगल जिले में बुधवार को एक ट्रक और ऑटो–रिक्शा के बीच टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना वर्धन्नापेट मंडल के येलांडा गांव के पास हुई।

पुलिस के अनुसार, ऑटोरिक्शा में सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में से एक की अस्पताल में मौत हो गई। ऑटोरिक्शा वारंगल से थोरूर की ओर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।

पुलिस को संदेह है कि ट्रक चालक नशे में था। पुलिस ने राजस्थान के रहने वाले ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। सभी मृतक और घायल शहद बेचने का काम करते थे।

अक्षय कुमार को मिली भारतीय नागरिकता

मुंबई ,(एजेंसी)। अक्षय कुमार अब भारतीय नागरिक हैं, उन्होंने इसका सबूत एक्स पर अपने आधिकारिक सरकारी दस्तावेजों की तस्वीर के साथ साझा किया. अक्षय पहले कनाडाई नागरिक थे, जिसके लिए अक्सर कुछ वर्गों द्वारा उनकी आलोचना की जाती रही है. अक्षय ने एक्स पर एक दस्तावेज़ साझा किया जिसमें उनका नाम अक्षय हरिओम भाटिया लिखा हुआ था. उन्होंने पोस्ट के साथ लिखा कि, दिल और नागरिकता, दोनों हिंदुस्तानी. स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद. उनके प्रशंसकों ने उन्हें बधाई दी और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं.2019 में हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के एक सत्र के दौरान अक्षय ने वादा किया था कि वह जल्द ही भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन करेंगे. तीन साल बाद, उन्होंने एक अन्य नेतृत्व शिखर सम्मेलन सत्र के दौरान एक अपडेट साझा किया. अक्षय कुमार ने कहा कि, कनाडाई पासपोर्ट होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी भारतीय से कम हूं. मैं पूरी तरह से भारतीय हूं. मैं पिछले नौ साल से यहां हूं, जब मुझे पासपोर्ट मिला था.

हम जो भी फैसला करेंगे, वो 1000 साल तक हमारे भाग्य को लिखने वाला भारत अब रुकने वाला नहीं

लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी बोले

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराया. उसके बाद उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधित करते हुए कहा कि देश और दुनिया में भारत को प्यार करने वाले, सम्मान करने वाले कोटि कोटि जनों को मैं इस पर्व की अनेक अनेक शुभकामनाएं देता हूं. उन्होंने कहा कि मेरे परिवारजन पूज्य बापू के नेतृत्व में जिन लोगों ने बलिदान दिए, ऐसे अनगिनत वीरों को मैं नमन करता हूं.

पीएम मोदी ने कहा, पिछले दिनों में मणिपुर में हिंसा का दौर चला. मां बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ हुआ, लेकिन आज वहां स्थिति सामान्य हो रही. शांति लौट रही. केंद्र और राज्य सरकार शांति बहाली के लिए काम कर रही हैं. देश मणिपुर के लोगों के साथ है. उन्होंने कहा कि हम जो भी फैसला करेंगे, वो 1000 साल तक हमारे भाग्य को लिखने वाला है. मैं देश के बेटे बेटियों को कहना चाहूंगा, जो सौभाग्य आज मिला है, शायद ही किसी का नसीब होता है, जिसे ये मिला हो. इसे गंवाना नहीं है. मुझे युवा शक्ति पर भरोसा है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसरों की कमी नहीं है. आप जितने अवसर चाहेंगे, देश उतने अवसर देने में समर्थ है. देश में विशेष शक्ति जुड़ रही है, माताओं बहनों की शक्ति की. ये आप का ही परिश्रम है. किसानों की शक्ति जुड़ रही है, देश कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है. मैं मजदूरों, श्रमिकों का कोटि कोटि अभिनंदन करना चाहता हूं. ये आपका ही पुरुषार्थ है कि जो देश आगे बढ़ रहा है. मैं मजदूरों का अभिनंदन करना चाहता हूं, देश को आगे बढ़ रहा है, उसमें श्रमिकों का बड़ा योगदान है. रेहड़ी वालों का भी हम सम्मान करते हैं, जो देश को आगे ले जा रहे हैं. पेशेवरों की भी प्रगति में भूमिका है.प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय चेतना एक ऐसा शब्द है, जो चिंताओं से मुक्त कर रहा है. आज वह राष्ट्रीय चेतना सिद्ध कर रही है. जन–जन में हमारा विश्वास, जन–जन का सरकार पर, देश के प्रति विश्वास है. यह विश्वास हमारी नीतियों, हमारी रीति का है. मेरे परिवारजनों, यह बात निश्चित है कि भारत का सामर्थ्य विश्वास की नई बुलंदियों को पार करने वाली है. आज देश में जी–20 समिट की मेहमाननवाजी का अवसर मिला है. हिंदुस्तान के हर कोने में जी–20 के कई कार्यक्रम हुए हैं. उसने देश की विविधिता का दुनिया को परिचय कराया है.

उन्होंने कहा कि भारत का एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है. दुनिया की रेटिंग एजेंसियां भारत का गौरव कर रही हैं. मैं विश्वास से देख रहा हूं कि जिस प्रकार से द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया की नई वैश्विक व्यवस्था देखी थी, मैं साफ–साफ देख रहा हूं कि कोरोना के बाद नई वैश्विक व्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है. उसकी सारी व्याख्याएं बदल रही हैं. आप गौरव करेंगे, बदलते हुए विश्व को आकार देने में आज 140 करोड़ देशवासियों का सामर्थ्य नजर आ रहा है. आप निर्णायक मोड़ में खड़े हैं. पीएम मोदी ने कहा, भारत का सामर्थ्य और विश्वास नई बुलंदियों को पार करने वाली हैं. आज देश में जी–20 समिट की मेहमाननवाजी का मौका मिला. जी–20 के देशभर के कोने में अलग अलग आयोजन हुए हैं. इससे सामान्य मानवीय के सामर्थ्य का दुनिया के सामने परिचय हुआ है. भारत को जानने समझने की जरूरत बढ़ी है. भारत का एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ा है. पीएम मोदी ने कहा, 2014 में आपने मजबूत सरकार बनाई. 2019 में आपने सरकार फॉर्म की. तो मोदी में रिफॉर्म की हिम्मत आई. जब मोदी ने रिफॉर्म किए, तो ब्योरोक्रेसी ने ट्रांसफोर्म करने के लिए परफॉर्म करने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दोषसिद्धि के खिलाफ पूर्व कोयला सचिव, आईएएस अधिकारी की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को पूर्व कोयला सचिव एच.सी. की अपील पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा। गुप्ता और पूर्व आईएएस अधिकारी केएस क्रोफा ने छत्तीसगढ़ में एक कोयला ब्लॉक के आवंटन में अनियमितताओं में शामिल होने के लिए अपनी दोषसिद्धि और जेल की सजा के खिलाफ याचिका दायर की थी।

अपील स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने नोटिस जारी किया और कहा कि मामले का निपटारा होने तक दोनों अपीलकर्ता जमानत पर रहेंगे।

न्यायाधीश ने कहा कि अपीलों को अन्य दोषियों – पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा, उनके बेटे देवेंदर दर्डा और जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयसवाल द्वारा दायर अपीलों के साथ उचित समय पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

अदालत ने कहा, नोटिस जारी करें। सीबीआई के वकील ने नोटिस स्वीकार कर लिया है। अपीलें स्वीकार कर ली गई हैं और उचित समय पर सुनवाई के लिए आएंगी।

जब गुप्ता और क्रोफा को विशेष न्यायाधीश द्वारा जमानत दे दी गई, तो उन्हें उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने की अनुमति दी गई।

28 जुलाई को, उच्च न्यायालय ने दर्दस और जयास्–ावाल को अंतरिम जमानत दे दी, जिन्हें चार साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने उन्हें अपनी दोषसिद्धि को उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती देने में सक्षम बनाया।

न्यायाधीश शर्मा ने मामले में उन्हें दोषी ठहराने और सजा सुनाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ दर्दस और जयास्–ावाल द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया था।

अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा था और इसे आठ सप्ताह के भीतर दाखिल करने का निर्देश दिया था.

केरल में वंदे भारत एक्सप्रेस पर फिर पथराव

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर बुधवार को केरल के कन्नूर जिले में एक बार फिर पथराव हुआ।

तिरुवनंतपुरम जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटना थालास्सेरी और माहे के बीच हुई जिसमें सी–8 कोच की खिडक़ी के शीशे टूट गए। हालांकि, घटना के दौरान कोई घायल नहीं हुआ.यह दूसरी बार है जब वंदे भारत एक्सप्रेस पर बुधवार को हमला हुआ है।कन्नूर और कासरगोड जिलों में ट्रेनों पर पथराव की घटनाएं आम बात हो गई हैं. रेलवे पुलिस और केरल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

इससे पहले, उपद्रवियों ने तटीय राज्य के कन्नूर और कासरगोड जिलों से होकर गुजरने वाली तीन ट्रेनों पर भी पथराव किया था।रविवार की रात जब दो ट्रेनें कन्नूर रेलवे स्टेशन से रवाना हुईं और कासरगोड जा रही थीं, तो वालापट्टनम के पास उन पर पथराव किया गया।

मानसून की मार से बिलबिलाया हिमाचल, 51 की जान गई, संपत्ति का हिसाब नहीं

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में भारी बारिश से जल प्रलय आ गई है। एक ही दिन में हिमाचल में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो हुई है। वहीं कई लोग ऐसे हैं, जो अभी भी लापता हैं। मंडी, शिमला और सोलन जिला में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। इन जिलों में मरने वालों का आंकड़ा दोहरे अंकों में है। इसके अलावा प्रदेश की अन्य जिलों में भी कई लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में करीब 51 लोगों की मौत अभी तक दर्ज की गई है। आने वाले समय में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। शिमला के फागली वार्ड में तीन ढारों में करीब पांच लोगों की मौत हो गई है, वहीं तीन लोग घायल हैं, जिन्हें उपचार के लिए आईजीएमसी भेज दिया गया है। वहीं चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं शिमला जिला के समरहिल के समीप शिव बावड़ी में एक और बड़ा हादसा पेश आया है। सोमवार सुबह सात बजे भारी बारिश की वजह से भू–स्खलन की चपेट में शिव बावड़ी मंदिर आ गया। इससे यहां मौजूद 30 से ज्यादा लोग मलबे में दब जाने की बात कही जा रही है। अभी तक यहां नौ लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। यह मंदिर शिमला के उपनगर बालूगंज इलाके में समरहिल पर स्थित है। सावन सोमवार होने की वजह से मंदिर में सुबह से भीड़ थी।

इसके अलावा सोलन के ममलीग के जड़ौण गांव में देर रात करीब डेढ़ बजे बादल फटने से एक परिवार के सात लोगों और अर्की के चलोग गांव में देर रात भवन की दीवार गिरने से एक युवती और बच्चे की दबकर मौत हो गई है। लौहारघाट पंचायत के बानली गांव में एक मकान ढहने से पत्नी–पति मलबे में दब गए। इसमें पति को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि पत्नी की मौत हो गई है। उधर, जिला मंडी में बादल फटने, भू–स्खलन और बाढ़ के चलते 19 लोगों की जान चली गई है। सरकाघाट के मसेरन में बादल फटने से एक महिला की मौत हो गई है। धर्मपुर में भू–स्खलन के चलते दो मौतें हुई हैं। द्रंग क्षेत्र के सेगली में कुल सात लोगों की दबने से मौत हो गई है और छह जख्मी हैं। मृतकों में तीन महिलाएं 3 बच्चे और एक व्यक्ति के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बल्ह क्षेत्र के टिक्कर गागल में 22 वर्षीय युवक अक्षत पुत्र मोहनलाल निवासी की मौत हुई है।

मंडी सदर के स्कोर में एक महिला की भू–स्खलन की चपेट में आने से मौत हुई है। सांबल पंडोह में बादल फटने से छह लोगों की मौत हुई है। इनकी अभी तक पहचान नहीं हुई है, जबकि एक लापता है। मंडी के मझवाड़ में भी दो लोग लापता हैं। वहीं कांगड़ा में तीन, चंबा और सरमौर में एक–एक मौत हुई है।

ब्यास–सतलुज नदियों का जलस्तर बढ़ा, होशियारपुर और गुरदासपुर के कई गांव बाढ़ की चपेट में आए

जालंधर , एजेंसी। पौंग और भाखड़ा बांधों से मंगलवार को अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद पंजाब के होशियारपुर और गुरदासपुर जिलों में ब्यास नदी और रूपनगर जिले में सतलुज नदी के पास के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दोनों जिला प्रशासन ने राहत कार्यों के लिए इलाके में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें तैनात कर दी हैं, बल के जवानों ने बचाव कार्य शुरू कर कई ग्रामीणों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा के कारण पौंग डैम से रविवार को 1.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। ब्यास दरिया में जल स्तर बढ़ने के कारण गांव जगतपुर टांडा और भैणी पसवाल में धुस्सी बांध टूट गया है। इसके निचले इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। धुस्सी बांध में दरार के कारण गांव चेचियां छोड़ियां, पक्खोवाल, दाउवाल, खबहरा, दलेरपुर, पदाना, छीना बेट, नडाला, जगतपुर कलां, कोहलियां और खरियान बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। रविवार देर रात एनडीआरएफ की टीमें पहुंच गई थीं। गुरदासपुर–मुकेरियां रोड पर भी पानी आने के कारण पुल को बंद कर ट्रैफिक को दूसरी तरफ से जाने के इंतजाम किये गये हैं।

गुरदासपुर जिला प्रशासन ने भी निचले इलाकों और ब्यास नदी ब्यास के जल स्तर में वृद्धि के बीच चेचिया चोरियां, पखोवाल, खेरहा, दलेलपुर, पदाना, छीना बेट, नडाला, जगतपुर कलां, कोहलियान और खारियान गांवों के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर जाने का निर्देश दिया है। सतलुज नदी पर भाखड़ा बांध और ब्यास नदी पर पौंग बांध, दोनों हिमाचल प्रदेश में, अपने–अपने जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद लबालब हैं।

अधिकारियों ने कहा कि होशियारपुर में, पौंग बांध जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण तलवाड़ा, हाजीपुर, दसुआ, टांडा और मुकेरियां गांवों के कई खेतों में बाढ़ आ गई। उन्होंने बताया कि ब्यास नदी के पास स्थित निचले गांवों, खेतों और कुछ घरों में पानी घुस गया है। अधिकारियों ने कहा कि हाजीपुर ब्लॉक का बील सरियाना गांव दो–तीन फीट पानी में डूबा हुआ है, जिससे कुछ ग्रामीणों को पुरोचक के एक गांव के गुरुद्वारे में स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

हाजीपुर क्षेत्र के पट्टी नाम नगर, हंडोवाल, उलाहा, ढाडे करवाल और पट्टी नवे घर गांवों और तलवाड़ा ब्लॉक के चंगरवान, चकमीरपुर और सथवान की कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। उन्होंने बताया कि मुकेरियां ब्लॉक के मेहताबपुर, मौली और नौशहरा गांवों के खेतों में भी पानी घुस गया है। गुरदासपुर के जिला उपायुक्त डॉक्टर हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि पौंग डैम से पानी छोड़ने में कमी आई है, जिसकी वजह से जल्द ही ब्यास दरिया में जल स्तर कम हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि पुराना शाला के सरकारी स्कूल में राहत कैंप स्थापित कर दिया गया है। मेडिकल, वेटरनरी विभाग सहित अन्य टीमों की तैनाती कर दी गई है। जिला प्रशासन ने प्रभावित गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

होशियारपुर के उपायुक्त कोमल मित्तल ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल और गैर–सरकारी संगठनों को राहत कार्यों के लिए सूचीबद्ध किया जा रहा है। पन्द्रह गांवों के लगभग 1,000 लोगों को राहत शिविरों में भेजा गया है। राहत शिविर भंगाला, अटलगढ़, सरियाना, गेरा, मोटका, मेहताबपुर और हरसे मानसर गांवों में स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा टीमों की प्रतिनियुक्ति की है। मित्तल ने कहा कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

उपायुक्त ने कहा कि मुकेरियां–गुरदासपुर रोड जलमग्न होने के बाद वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है।

यातायात को पठानकोट के रास्ते गुरदासपुर की ओर मोड़ दिया गया। रूपनगर जिले में भाखड़ा बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद नंगल क्षेत्र के बेला ध्यानी, भनाम, पलासी समेत करीब आधा दर्जन गांव जलमग्न हो गए। ग्रामीणों ने कहा कि सतलुज नदी के पास स्थित भनम और लोअर बेला गांवों में तेज धारा के कारण कई लोग अपने घरों में फंस गए हैं।

प्राथमिक शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते पैरा–शिक्षक: कलकत्ता हाई कोर्ट

कोलकाता,(एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पैरा–शिक्षकों को अनुमति देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति उदय कुमार की खंडपीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल–न्यायाधीश पीठ के पहले के आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें पैरा–शिक्षकों को चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी गई थी।उच्च माध्यमिक पैरा–शिक्षकों के एक वर्ग ने 2022 के लिए प्राथमिक शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति के लिए पिछले साल न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय की पीठ से संपर्क किया था।

अब अदालती फैसलों या दलीलों में महिलाओं के लिए प्रयोग नहीं होंगे आपत्तिजनक शब्द

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और दलीलों में अब जेंडर स्टीरियोटाइप शब्दों का इस्तेमाल नहीं होगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने बुधवार को कानूनी कार्यवाही में महिलाओं के बारे में लैंगिक रूढ़िवादिता को पहचानने, समझने और उसका मुकाबला करने में न्यायाधीशों और वकीलों की सहायता के लिए एक हैंडबुक जारी किया। न्यायाधीशों और वकीलों दोनों के लिए उपलब्ध कराई गई हैंडबुक में लैंगिक अनुचित शब्दों की एक शब्दावली है और वैकल्पिक शब्द या वाक्यांश सुझाए गए हैं जिनका उपयोग दलीलों, आदेशों और निर्णयों में किया जा सकता है। यह रूढ़िवादिता की व्याख्या करता है और लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देने वाली भाषा की पहचान कर वैकल्पिक शब्द और वाक्यांश प्रदान कर न्यायाधीशों को उनसे बचने में मदद करता है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने खुली अदालत में वकीलों को संबोधित करते हुए कहा, हैंडबुक महिलाओं के बारे में आम रूढियों की पहचान करती है, जिनमें से कई का उपयोग अतीत में अदालतों द्वारा किया गया है और यह दर्शाता है कि वे कैसे गलत हैं और वे कानून के अनुप्रयोग को कैसे विकृत करते हैं।

आंध्र टेकी ने प्यार में असफल होने पर की खुदकुशी

विशाखापत्तनम,(एजेंसी)। विशाखापत्तनम के सीथमपेटा के गणेश नगर इलाके में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने एक लडक़ी से प्यार में असफल होने पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पी. रामप्रसाद (30) का शव उसके किराए के घर में पंखे से लटका हुआ मिला। अंबेडकर कोनसीमा जिले के मुम्मीदीवरम के रहने वाले रामप्रसाद विशाखापत्तनम के शंकरमठ इलाके में एक सॉफ्टवेयर फर्म में काम करते थे। उन्होंने मंगलवार को आत्महत्या की। उसके दोस्तों से सूचना मिलने के बाद पुलिस घर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, उसने लिखा कि उसकी प्रेमिका द्वारा धोखा दिए जाने के बाद वह अपनी जिंदगी खत्म कर रहा है।

जम्मू–कश्मीर के महाराजा ने आंतरिक संप्रभुता बरकरार रखी थी

वकील राजीव धवन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (एससी) के समक्ष दलील दी कि जम्मू–कश्मीर के महाराजा ने आंतरिक संप्रभुता बरकरार रखी थी और अनुच्छेद 370 स्थायी समझौते का संवैधानिक विकल्प है।

उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय संघ के साथ विलय पत्र में प्रवेश करने से एक हद तक राज्य की बाहरी संप्रभुता का नुकसान हुआ, लेकिन आंतरिक संप्रभुता नहीं खोई है।

धवन ने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे अधिक विविधता है और भारतीय संविधान कई राष्ट्रों और कई संस्कृतियों वाली सभ्यता का संविधान है।

उन्होंने कहा, जिस विविधता को संजोया जाना है, उसे एकरूपता के नाम पर खत्म नहीं किया जा सकता है। भारतीय संविधान बहु–सममितीय है, जिसका जम्मू और कश्मीर एक हिस्सा है।

धवन ने तर्क दिया कि राष्ट्रपति शासन के तहत केंद्रीय संसद राज्य विधानमंडल की कानून बनाने की शक्तियों का प्रयोग कर सकती है, लेकिन सीमाओं को बदलने जैसे कार्य नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि जबकि संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा की गई है, अनुच्छेद 3, 4 और 370 (पूर्व शर्त के रूप में राज्य विधायिका की अनिवार्य सहमति प्रदान करना) के तहत निहित प्रावधानों को लागू नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, शर्तें राज्य की विधायिका के लिए विशिष्ट हैं... न तो संसद और न ही राष्ट्रपति उन्हें प्रतिस्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिस्थापन की ऐसी प्रक्रिया संविधान के लिए विध्वंसक होगी।

उन्होंने बताया कि अनुच्छेद 370 कई प्रावधानों में से एक है, जो संविधान में संघवाद की बुनियादी संरचना का गठन करता है।उन्होंने संघवाद के संरक्षण के बारे में अपने तर्कों के समर्थन में दिल्ली की एनसीटी सरकार को सेवाओं का नियंत्रण सौंपने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले और कई अन्य न्यायिक उदाहरणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, राज्यों की स्वायत्तता हमारे संविधान के लिए मौलिक है।

धवन के बाद वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने संविधान पीठ के समक्ष मौखिक दलीलें शुरू कीं। उन्होंने तर्क दिया कि अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने में शक्तियों का प्रयोग संविधान के साथ धोखाधड़ी के अलावा कुछ नहीं था।उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की केंद्र की कार्रवाई का देश के भविष्य पर प्रभाव पड़ेगा।

ऑलराउंडर की वापसी से बढ़ी भारत की टेंशन

नई दिल्ली, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय अस्थायी टीम की घोषणा की। इंग्लैंड ने इस साल के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी शुरुआती टीम में कई बड़ी घोषणाएं की हैं।

स्टोक्स की टीम में हुई वापसी–

इसमें ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को 15 खिलाड़ियों के समूह में शामिल किया गया है, जिसमें युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर खड्ढत्रः अशूी१ शामिल नहीं हैं। इंग्लैंड के सेलेक्टर ल्यूक राइट ने बाद में पुष्टि की कि कीवी टीम से भिड़ने के लिए जिन 15 खिलाड़ियों को नामित किया गया है, वही अस्थायी रूप से सभी विश्व कप टीम में भी शामिल हैं।

डेब्यू वर्ल्ड खेलने से चूके हैरी ब्रूक–

इसके चलते हैरी ब्रूक ल्ं११८ इ१ङ्घ' अपने करियर के पहले विश्व कप में भाग लेने से चूक गए, जबकि राइट ने यह भी खुलासा किया कि आर्चर को केवल ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में इंग्लैंड की विश्व कप योजनाओं में शामिल किया जाएगा।

क्या बोले राइट–

राइट ने बुधवार को कहा कि "यह वह टीम है, जिसे हम आगे बढ़ाने जा रहे हैं। यह कुछ खिलाड़ियों के लिए अविश्वसनीय रूप से कठिन है, जो (विश्व कप से) चूकने वाले हैं। यह इंग्लिश क्रिकेट में हमारी ताकत और गहराई को दर्शाता है और ऐसे अन्य नाम भी हैं, जो दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं।"

स्टोक्स की काबिलियत–

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड टीम की घोषणा करते हुए ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के संन्यास ड्डील्ल र३ङ्गीर १ी३१ीिल्ल३ पर यू–टर्न लिया। राइट ने आगे कहा कि "टीम के संतुलन और केवल पंद्रह के साथ जिसे आप नाम दे सकते हैं, यह अविश्वसनीय रूप से कठिन है। बेन स्टोक्स की वापसी से उनकी मैच जिताने की क्षमता और नेतृत्व क्षमता में और निखार आएगा। मुझे यकीन है कि हर फैन उन्हें फिर से इंग्लैंड वनडे शर्ट में देखकर खुश होगा। उठाएगा।

विश्व कप के लिए इंग्लैंड की अस्थायी टीम–

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स, रीस टॉपले, डेविड विली। मार्क वुड, क्रिस वोक्स।

कौन सा बल्लेबाज बना ईशांत शर्मा के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द?

नई दिल्ली, भारतीय टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की गिनती विश्व कप सबसे बेहतरीन टेस्ट गेंदबाजों में की जाती है। ईशांत ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़ी उपलब्धियों को भी अपने नाम किया है। हालांकि, फास्ट बॉलर के करियर में भी एक ऐसा बल्लेबाज रहा, जिसने ईशांत को काफी तंग किया है। इंडियन बॉलर ने उस बैटर के नाम का खुलासा किया है।

किसने किया ईशांत को सबसे ज्यादा परेशान?

ईशांत शर्मा ने जियो सिनेमा के एक शो पर बातचीत करते हुए बताया कि भारतीय तेज गेंदबाज को अपने इंटरनेशनल करियर में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को गेंदबाजी करने में सबसे ज्यादा परेशानी हुई। ईशांत के अनुसार, स्मिथ उनके लिए सबसे बड़ा सिरदर्द रहे। बता दें कि स्मिथ की गिनती टेस्ट क्रिकेट के सबसे धाकड़ बल्लेबाजों में की जाती है और इस फॉर्मेट में उनका रिकॉर्ड भी बेहद कमाल का रहा है।

लाबुशेन के फैन ईशांत शर्मा

ईशांत शर्मा से शो पर जब पूछा गया कि मौजूदा समय में दुनिया का बेस्ट टेस्ट बल्लेबाज कौन है, तो उन्होंने सभी को चौंकाते हुए मार्नस लाबुशेन का नाम लिया। लाबुशेन ने पिछले कुछ सालों में क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी नाम कमाया है और उनकी तुलना दिग्गज बल्लेबाजों से की जाती है। लाबुशेन के आंकड़े

भी टेस्ट क्रिकेट में कमाल के रहे हैं।

लाबुशेन का टेस्ट करियर

मार्नस लाबुशेन ने अपने टेस्ट करियर का पहला मुकाबला साल 2018 में खेला था। लाबुशेन कंगारू टीम की ओर से अब तक 43 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 76 पारियों में 53.36 की बेमिसाल औसत से 3,789 रन निकले हैं। लाबुशेन क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 11 शतक और 16 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। हालांकि, हाल ही में खत्म हुए एशेज सीरीज 2023 में लाबुशेन का बल्ला खामोश रहा था ।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर उठाए पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कई बड़े सवाल

नई दिल्ली, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी–20 सीरीज में भारतीय टीम का हाल बेहाल रहा। कैरेबियाई टीम के खिलाफ भारत को पहली बार टी–20 क्रिकेट के इतिहास में पांच मैचों की सीरीज में हार का मुंह देखना पड़ा। हार्दिक पांड्या ने इस सीरीज में अपनी कप्तानी से काफी निराश किया और उनके कई फैसले बेहद चौंकाने वाले हैं। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा भी हार्दिक की कैप्टेंसी से बेहद नाखुश हैं और उन्होंने स्टार ऑलराउंडर के आड़े हाथों लिया है।

आकाश ने लगाई हार्दिक की क्लास

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, "उन्होंने (हार्दिक पांड्या) सिर्फ दो सीजन आईपीएल में कप्तानी की और उनकी कैप्टेंसी दोनों ही सीजन में कमाल की रही। जब उन्होंने आईपीएल में कप्तानी की, तो उनका एक क्लियर पैटर्न था। आप पहले से बता सकते थे कि वह क्या करने वाले हैं। एक या दो बार भले ही आप सरप्राइज हुए, लेकिन इसके अलावा उनकी कैप्टेंसी में कोई खामी नजर नहीं आई। शायद वो आशीष नेहरा और हार्दिक की जोड़ी का कमाल था।"

पूर्व ओपनर ने आगे कहा, "हालांकि, जब हार्दिक इंडियन टीम की कप्तानी कर रहे थे, तो काफी अप–डाउन देखने को मिले।

विश्व कप से पहले भारतीय ओपनर के चोटिल होने से सोशल मीडिया पर आई मीम्स की बाढ़

दिल्ली,इंग्लैंड में चल रहे वनडे कप 2023 से पृथ्वी शॉ बाहर हो गए हैं।

टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज घुटने की चोट के चलते सीजन में नॉर्थम्पटनशायर के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे। शॉ ने 13 अगस्त को डरहम के खिलाफ 125 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिलाकर दर्शकों को हैरान किया था।

ऐसे में विश्व कप में भी टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि, शॉ लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर हैं।पृथ्वी शॉ की चोट पर फैंस ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया जताई है।

कुछ फैंस ने शॉ की चोट पर निराशा व्यक्त की तो वहीं कुछ ने उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करने का आग्रह किया।

धोनी के साथी खिलाड़ी ने दिया सनसनीखेज बयान

नई दिल्ली, एशिया कप 2023 से पहले श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने बड़ा बयान दिया है। श्रीलंका क्रिकेट ने उनका वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है, जिसमें मथीशा अपनी क्रिकेट जर्नी बता रहे है।

उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को इस समय दुनिया का नंबर–1 बैटर बताया है। इस बयान ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया है। आइए जानते हैं मथीशा ने और क्या कहा?

दरअसल, श्रीलंकाई प्रीमियर लीग खेल रहे मथीशा पथिराथा शानदार फॉर्म में चल रहे है। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में 12 विकेट ले लिए है। हाल ही में श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा ने बाबर आजम दुनिया का नंबर1 बल्लेबाज बताया हैं। उन्होंने कहा कि मोहम्मद नवाज, नसीम शाह और इफ्तिखार अहमद इन 3 खिलाड़ियों के साथ खेलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर मैं बाबर या नसीम के पास जाऊं कुछ पूछने के लिए तो वह कभी मना नहीं करते, बल्कि मुझे सिखा जरूर देते है। मुझे लगता है कि श्रीलंका में ये युवाओं के लिए अच्छा मौका है। अगर छढछ हर साल

हो तो ये श्रीलंका के लिए अच्छा होगा। एक क्रिकेटर के तौर पर मेरा ये सपना है कि मैं एक लीजेंड के तौर पर अपना करियर खत्म करूं।

बदली ह्यबेबी मलिंगाह्ल की जिंदगी

इसके साथ ही मथीशा पथिराना ने एमएस धोनी को लेकंर कहा कि मैंने धोनी से काफी कुछ सीखा है। सबसे पहली चीज है विनम्रता और यहीं वजह है धोनी बहुत सफल हैं। 42 साल की उम्र में वह फिट क्रिकेटर हैं जो काफी इंस्पायरिंग है।

जब मैं आईपीएल में गया तो मैं एक बच्चा था और कोई भी मुझे नहीं जानता था। धोनी ने मुझे ट्रेन किया और कई चीज़े सिखाई। अब मुझे पता है कि किसी भी टी–20 मैच में कैसा खेलना है और मैच में अपने चार ओवरों को कैसे बैलेंस करना है।

फिल्मी दुनियां

टीआईएफएफ 2023 में होगा भूमि पेडनेकर की थैंक यू फॉर कमिंग का वर्ल्ड प्रीमियर

भूमि पेडनेकर अभिनीत आगामी फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के जल्द ही आयोजित होने वाले संस्करण में विश्व प्रीमियर के लिए चुना गया है। यह फिल्म एक उभरती हुई कॉमेडी है, जिसका निर्देशन करण बुलानी ने किया है और इसे राधिका आनंद और प्रशस्ति सिंह ने लिखा है। थैंक यू फॉर कमिंग 15 सितंबर, 2023 को रॉय थॉमसन हॉल में महोत्सव में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में शहनाज गिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगिकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा और अनिल कपूर भी विशेष भूमिका में हैं। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए भूमि पेडनेकर ने कहा, यह टीआईएफएफ में मेरा पहला मौका है। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसी फिल्म के साथ वहां जा रही हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है। इसे और खास बनाने वाली बात यह है कि हमें

इसके लिए चुना गया है। प्रतिष्ठित रॉय थॉम्पसन हॉल में एक गाला प्रीमियर। एक आधिकारिक चयन के रूप में और हमारे पास देखने के साथ, मैं आने वाले अनुभव के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इतने बड़े और विविध दर्शकों के साथ अपनी फिल्म देखने का अनुभव कभी नहीं किया है। मेरे सह–कलाकारों, निर्देशक करण बुलानी और हमारे निर्माता अनिल कपूर और रिया कपूर के साथ उस रेड कार्पेट पर चलना यादगार होने वाला है। उन्होंने आगे उल्लेख कियाः एक भारतीय अभिनेता के रूप में, मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। थैंक यू फॉर कमिंग उन युवा लड़कियों की असीम भावना का जश्न मनाती है जो प्यार की तलाश में हैं और कैसे वे चुनने की आजादी के लिए तरसती हैं वे जीवन से क्या चाहते हैं। एक शैली के रूप में कॉमेडी मेरे लिए कठिन है, मुझे लगता है कि टीआईएफएफ में दुनिया भर में रिलीज होने से पहले अपना काम शुरू करने के साथ ही हमारी सारी मेहनत रंग लाने लगी है। यह अपने दिल से एक बहुत ही प्रगतिशील फिल्म है सही जगह पर। यह दुनिया को यह दिखाने का हमारा मौका है कि भारत में सिनेमा आज की महिलाओं का जश्न कैसे मना रहा है और उन्हें कैसे चित्रित कर रहा है। उसी के बारे में बात करते हुए, रिया कपूर ने साझा कियाः यह इस पीढ़ी के लिए एक फिल्म है और हम टीआईएफएफ 2023 में अपनी फिल्म का विश्व प्रीमियर करके बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

कंगना रनौत की फिल्म चंद्रमुखी 2 का पहला सॉन्ग आउट, क्लासिकल डांस से जीता सभी का दिल

एक्ट्रेस कंगना रनौत जल्द ही तमिल फिल्म चंद्रमुखी 2 में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह एक क्लासिकल डांसर की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म के पहले ट्रैक स्वागतांजलि का सॉन्ग वीडियो हाल ही में आउट हो गया है. इसमें एक्ट्रेस एक शास्त्रीय नर्तकी के अवतार में दिख रही हैं. वीडियो में कंगना चंद्रमुखी के गेटअप में किसी राजा के दरबार में डांस करती नजर आ रही हैं. वह इस आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. आपको बता दें कि, गाने में कंगना रनौत का लुक फैंस को काफी पसंद आया. एक फैन ने लिखा, यह बिल्कुल सही हैज्सि तरह की फिल्म है उसके लिए बिल्कुल उपयुक्तज्पूरी टीम की कड़ी मेहनत साफ है. कंगना रनौत और सिंगर, उनका परफॉर्मेंस अद्भुत है !! शुभकामनाएं..फिल्म

की रिलीज का इंतजार है. जबकि एक अन्य फैन ने कमेंट किया, गीत, संगीत, गायन, वीडियो, नृत्य अभिनेता सब कुछ बिल्कुल सही है. सचमुच रोंगटे खड़े हो जाते हैं. स्वागतांजलि अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार एमएम कीरावनी का बनाया हुआ गाना है. इस सॉन्ग को श्रीनिधि तिरुमाला ने गाया है.

चंद्रमुखी 2 का निर्देशन पी वासु ने किया है और यह 2005 की फिल्म चंद्रमुखी का स्टैंडअलोन सीक्वल है, जिसमें रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी. कंगना की इस फिल्म की शूटिंग फरवरी में पूरी हुई थी. जुलाई में, एक्टर ने फैंस को सूचित किया कि उन्होंने फिल्म के क्लाइमेक्स गाने के लिए रिहर्सल शुरू कर दी है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर किया और लिखा, कला मास्टर जी के साथ चंद्रमुखी 2 के लिए क्लाइमेक्स गाने की रिहर्सल शुरू की... गाना गोल्डन ग्लोब विजेता श्री एम.एम. कीरावनी जी द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, महान श्री पी. वासु जी द्वारा निर्देशित... यह एक सम्मान की बात है.

वरुण तेज की गांडीवधारी अर्जुन का ट्रेलर अब जारी!

मेगा प्रिंस वरुण तेज अपनी आगामी रिलीज, गांडीवधारी अर्जुन में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, जिसे प्रवीण सत्तारु ने कुशलतापूर्वक निर्देशित किया है। महिला प्रधान के रूप में स्क्रीन साझा करने वाली साक्षी वैध्या हैं, जो एजेंट में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। उत्सुकता से प्रतीक्षित नाटकीय ट्रेलर का एक विशेष कार्यक्रम में अनावरण किया गया।

ट्रेलर एक विचारोत्तेजक संवाद के साथ शुरू होता है, जो मानवीय प्रतिभा को ईश्वरीय कृतियों से भी आगे निकलने का संकेत देता है। वरुण तेज एक इंटरपोल एजेंट के रूप में केंद्र में हैं और अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। नासिर द्वारा चित्रित पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री, एक कार्य में वरुण

तेज की सहायता लेते हैं, जो तीव्र टकराव के लिए मंच तैयार करता है।वरुण तेज का किरदार एक भयंकर और दृढ़ कानून लागू करने वाले के रूप में उभरता है, जो एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी से लड़ रहा है। ट्रेलर एक्शन और साज़िश से भरपूर है, जो आश्चर्यजनक दृश्य पेश करता है जो एक अमिट छाप छोड़ता है। केंद्रीय प्रश्न यह हैः वरुण तेज कौन सा मिशन अपनाता है? उत्तर फिल्म के भीतर ही हैं।

त्रुटिहीन उत्पादन मूल्यों द्वारा समर्थित, फिल्म मिकी जे मेयर के विचारोत्तेजक पृष्ठभूमि स्कोर को प्रदर्शित करती है, जो इसके प्रभाव को बढ़ाती है। बीवीएसएन प्रसाद द्वारा श्री वेंकटेश्वर सिने चित्र के बैनर तले निर्मित इस उद्यम में विनय राय प्रतिपक्षी की भूमिका निभाते हैं। विमला रमन, नारायण, रोशिनी प्रकाश और रवि वर्मा की उल्लेखनीय प्रस्तुतियाँ समूह को समृद्ध बनाती हैं। 25 अगस्त को गांडीवधारी अर्जुन की रिलीज के लिए तैयार हो जाइए, यह एक सिनेमाई अनुभव है जो सभी को मंत्रमुग्ध कर देगा।

म्युजिक़ वीडियो उई मुई सू में स्नेहा उल्लाल और आमिर शेख की बेहतरीन केमिस्ट्री

सलमान खान के अपोजिट फ़िल्म लक्की से चर्चा में आईं खूबसूरत अदाकारा स्नेहा उल्लाल अब आमिर शेख के साथ रोमांटिक म्युजिक़ वीडियो उई मुई सू में नजर आ रही हैं जो आज ही ज़ी म्युजिक़ से रिलीज़ हुआ है और जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। स्नेहा उल्लाल और आमिर शेख की जोड़ी और उनके बीच गज़ब केमिस्ट्री गाने को और भी आकर्षक बना रही है। इस सॉन्ग के प्रोड्यूसर अनूप जलोटा हैं, जो सारी दुनिया मे भजन सम्राट के नाम से जाने जाते हैं। पद्मश्री अनूप जलोटा ने बॉलीवुड की बहुत सी फिल्मो का निर्माण किया है। उन्हें इस गाने के बोल और यह प्रोजेक्ट इतना रोचक लगा कि वे उसे निर्माता के रूप में पेश करने के लिए तैयार हुए।

इस गाने को बॉलीवुड के लिजेंड्री गायक

सुरेश वाडेकर और रीना मेहता ने आवाज दी है। सुरेश वाडेकर ने बॉलीवुड में तुमसे मिलके ऐसा लगा तुमसे मिलके जैसे अनगिनत ब्लॉकबस्टर गीत दिए हैं। सुरेश वाडेकर की सुरीली आवाज ने इस गीत को और भी बेहतरीन बना दिया है। सिंगर रीना मेहता ने अनूप जलोटा सहित कई बड़े सिंगर्स के साथ गाने गाए हैं जैसे अमित मिश्रा, नकाश अज़ीज़, देव नेगी, शहीद मल्लया, आमान त्रिखा और आमिर शैख़, उनके कई म्युजिक़ वीडियो रिलीज़ होकर लोकप्रिय हो चुके हैं। उन्होंने इस रोमांटिक अल्बम में अपनी मधुर आवाज से जान डाल दी है। फ़िल्म ?क्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने बॉलीवुड में सलमान खान के साथ फ़िल्म लक्की के साथ डेब्यू किया था। वह ऐश्वर्या राय जैसा लुक रखने के लिए भी चर्चा में रही हैं और अब वह आमिर शेख के साथ इस वीडियो में अपनी अदाओं से सबको लुभा रही हैं। मल्टी टैलेंटेड आमिर शेख ने पहली बार किसी और सिंगर के गाए गीत पर परफॉर्म किया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com